अनमोल वचन

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"।

सुपौल दस्तक मासिक अखबार

RNI NO. BHHIN/25/A5267

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेलः rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्षः- 1 अंकः- 2 सुपौल, माह फरवरी, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठः 8 मूल्यः 5/- रू.

एक नजर

एयर इंडिया की बड़ी लापरवाही पर डीजीसीए का एक्शन, बिना परमिट उड़ान भरने पर लगा 1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया पर वैध एयरवर्थनेस परमिट के बिना आठ बार एयरबस विमान उड़ाने के लिए 110,350 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। एक गोपनीय आदेश के अनुसार, डीजीसीए का कहना है कि इस चूक से एयरलाइन पर जनता का भरोसा और कम हुआ है। यह जुर्माना एयरबस ए320 विमान से संबंधित है, जिसने 24 और 25 नवंबर को दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद के बीच कई मार्गों पर अनिवार्य एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट (एआरसी) के बिना यात्रियों को यात्रा कराई। एआरसी नियामक द्वारा विमान के सुरक्षा और अनुपालन जांच उत्तीर्ण करने के बाद प्रतिवर्ष जारी किया जाता है।

मणिपुर हिंसा मामलों की निगरानी करेगा हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम सुझाव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 के मणिपुर जातीय हिंसा मामलों से संबंधित 11 एफआईआर की जांच कर रही है, दो सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने यह सुझाव भी दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के बजाय, क्षेत्राधिकार रखने वाला मणिपुर उच्च न्यायालय, जिसमें एक नए मुख्य न्यायाधीश हैं, या गुवाहाटी उच्च न्यायालय, या दोनों ही हिंसा मामलों में मुकदमों और संबंधित घटनाक्रमों की निगरानी करें। इसमें केंद्र और मणिपुर सरकारों से राज्य में जातीय हिंसा के पीड़ितों के पुनर्वास और कल्याण पर न्यायमूर्ति गीता मित्तल समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया। अदालत द्वारा नियुक्त समिति, जिसमें जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मित्तल, बॉम्बे उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिनी पी जोशी और दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशा मेनन शामिल हैं, ने अब तक पीड़ितों के पुनर्वास के उपायों पर कई रिपोर्टें प्रस्तुत की हैं। मणिपुर में 3 मई, 2023 को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 200 से अधिक लोग मारे गए हैं, सैकड़ों घायल हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा, नेहरू ने तिब्बत पर क्यों किया था चीन से पंचशील समझौता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा प्रमुख अनिल चौहान ने शुक्रवार को स्वतंत्रता के बाद के भारत-चीन संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1954 का पंचशील समझौता, जिसके तहत भारत ने तिब्बत को चीन का हिस्सा माना था, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक संबंध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री झोउ एनलाई ने पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें दोनों देशों के बीच संबंधों को दिशा देने के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सहित पांच सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। देहरादून में एक कार्यक्रम में बोलते हुए जनरल चौहान ने कहा कि अंग्रेजों के जाने के बाद भारत को अपनी सीमाएँ स्वयं निर्धारित करनी पड़ीं।

राज्यसभा में भाषण के अंश हटाने पर भड़के खड़गे, बोले- यह लोकतंत्र पर हमला है

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि 4 फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान दिए गए उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा बिना किसी औचित्य के आधिकारिक अभिलेख से हटा दिया गया।

खरगे ने इस कदम को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध बताया और कहा कि हटाए गए अंशों में सरकार की नीतियों की उनकी आलोचनाएं शामिल थीं, जिन्हें विपक्ष के सदस्य के रूप में उजागर करना उनका कर्तव्य है।

पीएम मोदी ने किया 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन

न्यू इंडिया के शासन का नया पावर सेंटर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सेवा तीर्थ का उद्घाटन किया, जो एक नई इमारत है जिसमें प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय स्थित हैं। केंद्र ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि नई इमारतें भारत की प्रशासनिक शासन संरचना को दर्शाती हैं और आधुनिक, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं। दशकों से, मंत्रालय सेंट्रल विस्टा में बिखरे हुए पुराने भवनों से काम करते रहे, जिसके कारण समन्वय में कमी, रसद संबंधी बाधाएँ और रखरखाव की उच्च लागत जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। नए परिसरों का उद्देश्य निर्बाध समन्वय के लिए डिजाइन किए गए भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे में प्रमुख प्रशासनिक विभागों को

एक साथ लाकर इन समस्याओं का समाधान करना है। सरकार को उम्मीद है कि इस एकीकरण से निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी आएगी, लागत कम होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। सेवा तीर्थ में तीन प्रमुख कार्यकारी संस्थान - प्रधानमंत्री कार्यालय (सेवा तीर्थ-1), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (सेवा तीर्थ-2) और मंत्रिमंडल सचिवालय (सेवा तीर्थ-3) - एक ही स्थान पर होंगे, जो पहले अलग-अलग स्थानों से कार्य करते थे। इनके एक ही स्थान पर होने से सरकार के उच्चतम स्तर पर रणनीतिक समन्वय मजबूत होने की उम्मीद है। कर्तव्य भवन-1 और 2 में वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कॉर्पोरेट मामले, शिक्षा, संस्कृति, विधि एवं न्याय, सूचना एवं प्रसारण, कृषि एवं किसान कल्याण, रसायन एवं उर्वरक एवं जनजातीय मामलों सहित प्रमुख मंत्रालयों के कार्यालय होंगे। इस समेकन का उद्देश्य अंतर-मंत्रालयी समन्वय को सुधारना और जनता की पहुंच को सुगम बनाना है। नए परिसरों में डिजिटल रूप से एकीकृत कार्यालय, सुव्यवस्थित सार्वजनिक संपर्क क्षेत्र और केंद्रीकृत स्वागत सुविधाएं हैं, जो दक्षता और नागरिक सहभागिता को बेहतर बनाने में सहायक हैं।

विकसित भारत का संकल्पः पीएम मोदी बोले- गुलामी के प्रतीक मिटाकर बना रहे स्वतंत्र भारत की पहचान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हम सभी एक नए इतिहास के साक्षी बन रहे हैं। 13 फरवरी का यह दिन भारत के विकास पथ में एक नई शुरूआत का गवाह है। आज हम सभी विकसित भारत का संकल्प लेकर सेवा तीर्थ में, कर्तव्य भवन में प्रवेश कर रहे हैं। अपने लक्ष्य में विजयी होने का दैवीय आशीर्वाद हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी इमारतें, जो ब्रिटिश सोच की हुकूमत को लागू करने के लिए बनी थीं, वहीं आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन जैसे परिसर भारत की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बने हैं। मोदी ने कहा कि यहां से जो फैसले होंगे, वे किसी महाराजा की सोच को नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की अपेक्षाओं को आगे बढ़ाने का आधार बनेंगे। इसी अमृत भावना के साथ आज मैं ये सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन भारत की जनता को समर्पित कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस समय 21वीं सदी का पहला क्वार्टर पूरा हो चुका है।

यह आवश्यक है कि विकसित भारत की कल्पना केवल नीतियों और योजनाओं में ही नहीं, बल्कि हमारे कार्यस्थलों और इमारतों में भी दिखाई दे। जहां से देश का संचालन होता है, वह जगह प्रभावी भी होनी चाहिए और प्रेरणादायी भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसे पुराने भवनों में जगह की कमी थी, सुविधाओं की भी अपनी सीमाएं थीं।

राज्य के सभी बंद चीनी मिलों को जल्द शुरू करें: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 7 निश्चय पार्ट- 3 के तहत 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की

संवाददाता

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प सभागार में 7 निश्चय पार्ट- 3 के तहत 'समृद्ध उद्योग सशक्त बिहार' के लिये किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उद्योग विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष 'समृद्ध उद्योग सशक्त बिहार' से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह तथा गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के० सेंथिल कुमार ने अपने-अपने विभागों द्वारा इस योजना के क्रियान्वयन के लिये किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के० सेंथिल कुमार ने बताया कि गोपालगंज

जिले के सासामूसा चीनी मिल को जल्द ही शुरू किया जायेगा। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में जो भी बंद चीनी मिले हैं, उनकी जल्द से जल्द शुरूआत करायें। राज्य में पश्चिम चम्पारण जिले के चनपटिया, पूर्वी चम्पारण जिले के बाराचकिया एवं मोतिहारी, गोपालगंज जिले के सासामूसा, सारण जिले के मढ़ौरा, मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर, समस्तीपुर जिले के समस्तीपुर एवं दरभंगा जिले के सकरी एवं रैयाम चीनी मिल बंद हैं। यह अच्छी बात है कि सासामूसा चीनी मिल जल्द शुरू किया जा रहा है। बाकी बंद पड़ी चीनी मिलों को भी जल्द से जल्द शुरू करायें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 निश्चय पार्ट-3 के तहत 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' योजना का क्रियान्वयन ठीक ढंग से और तेजी से पूर्ण करें। पुरानी बंद चीनी मिलों के शुरू होने से किसानों को काफी फायदा होगा तथा लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना के लिये भी कार्रवाई सुनिश्चित करें। बिहार को देश के 5 विकसित राज्यों में शामिल करने के लिये ऐक्शन प्लान के साथ चरणबद्ध ढंग से कार्य करें। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के० सेंथिल कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सी०के० अनिल, सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मेक इन इंडिया को मिला बूस्ट!

एलसीए मार्क 1ए का प्रोडक्शन स्टेबल, एयर फोर्स को मिलेंगे 180 नए जेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क 1ए कार्यक्रम की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल पांच इंजन उपलब्ध हैं; वहीं पांच विमान पहले से ही उड़ान भर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय विक्रेताओं और मुख्य निमार्ता, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के लिए उत्पादन काफी हद तक स्थिर हो गया है और इंजन की आपूर्ति स्थिर होने पर इसमें और सुधार होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हालांकि हथियार परीक्षण सफल रहे हैं, लेकिन भारतीय वायु सेना की कुछ आवश्यकताएं अभी तक पूरी तरह से पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ परिचालन संबंधी आवश्यकताओं में अभी भी सुधार की आवश्यकता है, लेकिन 180 विमानों के नियोजित ऑर्डर के साथ, समय के साथ इस प्रणाली को परिष्कृत करके वायु सेना की सभी जरूरतों को पूरा करने की उम्मीद है। रक्षा सचिव ने कहा, एलसीए मार्क 1ए के लिए पांच इंजन उपलब्ध हैं और पांच विमान उड़ान भर रहे हैं... एक बार जब इस इंजन की आपूर्ति श्रृंखला स्थिर हो जाएगी, तो भारतीय विक्रेताओं, सिस्टम और इंटीग्रेटर (एचएएल) के संदर्भ में उत्पादन भी स्थिर हो जाएगा। वायु सेना द्वारा स्वीकृति के संबंध में, कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां वायु सेना की कुछ आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा नहीं किया गया है। हालांकि, हथियारों का परीक्षण सफल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ परिचालन संबंधी आवश्यकताओं में अभी भी सुधार की आवश्यकता है, लेकिन 180 विमानों के नियोजित ऑर्डर के साथ, समय के साथ इस प्रणाली को परिष्कृत करके वायु सेना की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की उम्मीद है।

चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

दो दिनों में 24 हजार हुआ सस्ता, 1.51 लाख पहुंचा सोना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। घरेलू सराफा बाजार में 13 फरवरी को लगातार दूसरे दिन सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार चांदी में भारी गिरावट देखने को मिली है, जबकि सोना भी दबाव में रहा। हालांकि लंबी अवधि के नजरिए से देखें तो दोनों कीमती धातुओं ने पिछले एक साल में उल्लेखनीय तेजी दर्ज की है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 17,188 रुपये की गिरावट आई और इसका भाव 2,41,945 रुपये प्रति किलो पर आ गया। इससे पहले चांदी 2,59,133 रुपये प्रति किलो के स्तर पर थी। यदि पिछले दो दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो चांदी की कीमत में कुल मिलाकर 24 हजार रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। 11 फरवरी को एक किलो चांदी 2,66,449 रुपये पर थी, जो अब घटकर 2,41,945 रुपये रह गई है। इस तेज गिरावट ने निवेशकों और ज्वेलरी कारोबारियों दोनों का ध्यान खींचा है।

सोने की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। 24 कैरेट शुद्धता वाले 10 ग्राम सोने का भाव 2,899 रुपये घटकर 1,52,751 रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले यही सोना 1,55,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। हालांकि हाल की गिरावट के बावजूद सोने का दाम अभी भी ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। कुछ सप्ताह पहले ही सोना अपने सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब पहुंच गया था। बाजार में उतार-चढ़ाव का यह दौर निवेशकों के लिए सतर्कता का संकेत माना जा रहा है। 29 जनवरी को सराफा बाजार में सोने और चांदी दोनों ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ था। उस दिन 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,76,121 रुपये तक पहुंच गया था, जबकि एक किलो चांदी का भाव 3,85,933 रुपये रहा था।

दिल्ली पुलिस ने पेंगुइन इंडिया के प्रतिनिधियों से की पूछताछ, साजिश के पहलू की जांच शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे के बहुप्रतीक्षित और वर्तमान में अप्रकाशित संस्मरण (Memoirs) के कथित तौर पर लीक होने के मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस संबंध में विश्व प्रसिद्ध पब्लिशिंग हाउस पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के प्रतिनिधियों से पूछताछ की है। जांच का मुख्य केंद्र यह है कि क्या पुस्तक के संवेदनशील अंशों को सार्वजनिक करने के लिए रक्षा मंत्रालय (MoD) से अनिवार्य मंजूरी को जानबूझकर दरकिनार किया गया था।

सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने इससे पहले लगभग 15 सवालों के जवाब मांगने के लिए प्रकाशक को नोटिस जारी किया था और बुधवार को गुरुग्राम स्थित संबंधित कार्यालय का दौरा भी किया था।

महंगे उपग्रह से ज्यादा अच्छी जासूसी करने आ रहा है एचएपीएस

आसमान में छिप कर चौबीसों घंटे चीन-पाकिस्तान पर रखेगा नजर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बदलते युद्धक्षेत्र, चालाक पड़ोसी और टेक्नोलॉजी से लैस दुश्मन, इन सबके बीच अब पुराने ढर्रे की सोच से काम नहीं चलने वाला। यही वजह है कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय वायुसेना के लिए एयर-शिप बेस्ड हाई-एल्टीट्यूड प्सूडो सैटेलाइट (AS-HAPS) खरीदने की आवश्यकता को मंजूरी दी है। यह फैसला भारत की सुरक्षा सोच में आए बड़े बदलाव का ऐलान है। करीब 3.60 लाख करोड़ रुपये के विशाल पूंजीगत रक्षा पैकेज के भीतर आई यह मंजूरी साफ बताती है कि भारत अब निगरानी और खुफिया क्षमता को युद्ध जीतने का असली हथियार मान चुका है। राफेल लड़ाकू विमान और मिसाइलें दुश्मन पर प्रहार करेंगी, लेकिन AS-HAPS दुश्मन की हर हरकत पर ऐसी नजर रखेगा कि उसके लिए छिपना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।

अब सवाल यह है कि आखिर यह एचएपीएस है क्या, जिसके लिए इतना उत्साह है? सरल भाषा में कहें तो यह ''आसमान में टंगा चौकीदार'' है। ये सौर ऊर्जा से चलने वाले मानव रहित विमान होते हैं, जो धरती से लगभग 18-20 किलोमीटर की ऊंचाई पर समताप मंडल में महीनों तक टिके रह सकते हैं। जहां आम यात्री विमान

उड़ते हैं, उससे लगभग दोगुनी ऊंचाई पर यह रहते हैं। यानी न नीचे का ट्रैफिक, न मौसम की सामान्य बाधाएं, बस लगातार निगरानी होती रहेगी। देखा जाये तो पारंपरिक उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना बेहद महंगा और जटिल है। रॉकेट लॉन्च, कक्षा निर्धारण, रखरखाव, सब कुछ खर्चीला है। और फिर भी वे हर वक्त एक ही जगह नहीं देख सकते क्योंकि वे अपनी तय कक्षा में घूमते रहते हैं। दूसरी तरफ ड्रोन हैं, लेकिन उनकी उड़ान अवधि सीमित है और क्षेत्र कवरेज छोटा है। यही वह खाली जगह है जिसे एचएपीएस भरता है। यह उपग्रह जैसी क्षमता देता है, लेकिन लागत कम और नियंत्रण ज्यादा। इसलिए इसे ''प्सूडो सैटेलाइट'' कहा जाता है।

हंगामेदार रहा बजट सत्र का पहला चरण, 9 मार्च तक कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के संस्मरण से जुड़े विवाद को लेकर कई दिनों तक चले तीखे राजनीतिक वाद-विवाद के बाद शुक्रवार को बजट सत्र का पहला चरण समाप्त हो गया। यह विवाद संसद के बाहर भी चर्चा का विषय बना रहा। लोकसभा में आज केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका दोनों सदन अब तीन सप्ताह के अवकाश पर चले गए हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 9 मार्च को फिर से शुरू होगी। बजट सत्र, जो 28 जनवरी को राष्ट्रपति के संसद को दिए गए संयुक्त संबोधन के साथ शुरू हुआ था, 65 दिनों में 30 बैठकों के साथ समाप्त होगा। मध्यावधि अवकाश के दौरान स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अनुदान अनुरोधों की जांच करेंगी। लोकसभा में दो फरवरी से राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। धन्यवाद प्रस्ताव और इसका समर्थन करने के लिए भाजपा के दो सदस्यों के भाषण के बाद जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी बात रखनी शुरू की तो उनकी एक टिप्पणी को लेकर सदन में हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के कारण चर्चा नहीं हुई और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस पर जवाब हो सका। हालांकि लोकसभा में इस सप्ताह आम बजट पर चर्चा हुई और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को इसका जवाब दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति नहीं देने और आठ विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के मामले में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए लोकसभा महासचिव को एक नोटिस दिया है।

बांग्लादेश के आम चुनाव में बीएनपी पार्टी की जीत

पीएम बनेंगे तारिक रहमान, नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव के नतीजों ने देश की राजनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। लगभग दो दशकों बाद तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर सत्ता में वापसी की है। 299 सदस्यीय संसद में से 286 सीटों के घोषित नतीजों में बीएनपी को 209 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े से काफी अधिक है।

इस जीत के साथ ही तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। साल 2008 से 2024 तक आवामी लीग के नेतृत्व में शेख हसीना का दबदबा रहा। इस अवधि में विपक्षी बीएनपी सत्ता से बाहर रही। अब करीब 20 वर्षों के अंतराल के बाद बीएनपी ने सत्ता में वापसी की है। चुनाव में जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को 70 सीटें मिली हैं। जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट से जीत दर्ज की। हालांकि स्पष्ट बहुमत बीएनपी के पक्ष में जाने से सरकार गठन में किसी सहयोगी दल की जरूरत नहीं पड़ेगी। तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र हैं। उन्होंने दो सीटों से चुनाव लड़ा और दोनों पर जीत हासिल की। वह पिछले वर्ष दिसंबर में 17 साल बाद ब्रिटेन से बांग्लादेश लौटे थे। उनकी वापसी के कुछ ही दिनों बाद उनकी मां खालिदा जिया का निधन हो गया, जिसके बाद पार्टी की कमान पूरी तरह उनके हाथों में आ गई। तारिक पर 2001 से 2006 के बीएनपी शासनकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। 2007 में अंतरिम सरकार के समय उन्हें जेल भी जाना पड़ा। 2008 में इलाज के नाम पर वे लंदन चले गए और लंबे समय तक वहीं रहे। देश से बाहर रहते हुए भी बीएनपी की रणनीति और संगठनात्मक फैसलों में उनकी अहम भूमिका बनी रही। इस चुनाव के साथ बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनने जा रहा है। 1988 में काजी जफर अहमद के बाद से देश की राजनीति में शेख हसीना और खालिदा जिया का वर्चस्व रहा। 1991 से 2024 तक इन दोनों महिला नेताओं के बीच सत्ता का परिवर्तन होता रहा। शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला आम चुनाव था। उल्लेखनीय है कि आवामी लीग को इस चुनाव में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। चुनाव आयोग ने 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में कथित भूमिका के आधार पर यह फैसला लिया था। चुनाव के साथ ही संविधान सुधार से जुड़े प्रस्तावों पर जनमत संग्रह भी कराया गया।

संक्षिप्त खबरें

31 वीं वार तकनीकी पदाधिकारी रेफरी कुश्ती खेल में चयनित हुए हरेंद्र सिंह मेजर

संवाददाता

सहरसा: कुश्ती संघ जिला सचिव 11 वीं बार नेशनल कोच हरेंद्र सिंह मेजर जो मध्य विद्यालय पंचगछिया नवटोल में शारीरिक शिक्षक पद पर सुशोभित कार्यरत हैं। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना द्वारा 31 वीं वार तकनीकी पदाधिकारी रेफरी कुश्ती खेल में चयनित किया गया है।जो जमुई जिला में खेल मंत्री श्रेयासी सिंह द्वारा बिहार केशरी दंगल ऐतिहासिक कार्यक्रम 14 से 15 फरवरी समारोह का उद्घाटन करेंगी।हरेंद्र सिंह मेजर द्वारा कम समय में सहरसा जिला को कुश्ती खेल एवं भारोत्तोलन खेल, ग्रैपलिंग खेल को राज्य स्तरीय से लेकर नेशनल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। बिहार राजकीय खेल सम्मान से लेकर सरकारी नौकरी-कलर्क पदों पर बहाली कराये। साथ ही 16 वार तीनों खेल में नेशनल प्रतियोगिता में भाग लिया। साथ ही 938 खिलाड़ियों ने अभी तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। जो जिले के लिए गौरवशाली इतिहास लिखने का काम आरंभ है। इस ऐतिहासिक उपलब्धियों पर जिले के तमाम खेल संघ, खेल प्रेमी, शिक्षाविद्, जनप्रतिनिधि ने हरेन्द सिंह मेजर को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी।

प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में जनता से संवाद कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

सहरसा: पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कोशी प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित समस्याओं की सुनवाई की गई एवं संबंधित कार्यालयों को संज्ञान में लाए गए समस्याओं को समयबद्ध निष्पादन का निर्देश दिया गया है। प्रमंडलीय सभागार में आयोजित जनता दरबार के दौरान सुनील कुमार सिंह, पतरघट, सहरसा निवासी ने भूमि विवाद से संबंधित रुक्मिणी देवी, सहरसा निवासी ने शिक्षा कार्यालय से संबंधित प्रमोद शरण, गंगजला निवासी ने पूर्व में निर्गत आदेश अनुपालन नहीं होने के संबंध में रविंद्र यादव, सहरसा निवासी ने मानदेय भुगतान लंबित रहने के संबंध में प्रमोद कुमार, सिसई थाना निवासी ने भूमि पर जबरन कब्जा के संबंध में अपने समस्या से अवगत कराया। जिसके समयबद्ध निष्पादन का निर्देश संबंधित अंचलाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित को दिया गया है। प्रमंडलीय क्षेत्र अंतर्गत सुपौल जिला निवासी श्रीमती विभा कुमारी, द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका पद पर चयन से संबंधित अपने शिकायत से अवगत कराया गया। जबकि मधेपुरा से संबंधित रमेश कुमार, मुरलीगंज निवासी द्वारा राजस्व से संबंधित, हंसराज कुमार, आलमनगर द्वारा भूमि विवाद से संबंधित, श्रीमती नूतन सिंह, कुमारखंड द्वारा भूमि विवाद से संबंधित समस्या से जनता से संवाद कार्यक्रम के दौरान अवगत कराया गया।

जिसके निष्पादन का निर्देश संबंधित अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित को दिया गया है। आज आयोजित जनता दरबार के दौरान समेकित रूप से लगभग 22 आवेदन प्राप्त हुए है। उक्त अवसर पर आयुक्त के सचिव दिनेश लाल दास, उप निदेशक जनसंपर्क सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

शिवहर सांसद ने रेलमंत्री से मुलाकात कर पंचगछिया स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों की ठहराव की मांग की

संवाददाता

सहरसा: शिवहर सांसद श्रीमती लवली आनंद ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर अपने संसदीय एवं पैतृक गांव स्थित स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों की ठहराव की मांग की। उन्हौने अपने संसदीय क्षेत्र के बैरगनिया और पूर्व सांसद आनंद मोहन के पैतृक गांव पंचगछिया में प्रमुख ट्रेनों के ठहराव के लिए ज्ञापन सौंपा। पंचगछिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन ठहराव हेतु अनुरोध करते हुए कहा कि मेरा पैतृक निवास ग्राम पंचगछिया, जिला सहरसा बिहार है तथा यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन पंचगछिया है।वर्तमान में राज्यरानी एक्सप्रेस, ललित ग्राम से पटना तथा आनंद विहार टर्मिनल से सहरसा पूर्णिया के बीच परिचालित होती है। परन्तु इन दोनों ट्रेनों का ठहराव पंचगछिया स्टेशन पर नहीं रहने से स्थानीय जनता को इन ट्रेनों का लाभ नहीं मिल पा रहा है।सांसद श्रीमति आनंद ने उपरोक्त दोनो ट्रेनों का ठहराव पंचगछिया रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश देने की मांग की है जिससे इस सुविधा का लाभ आम जनता को मिल सके।

पति दिल्ली में करता रहा मजदूरी, इधर पत्नी छह वर्षीय बेटे को लेकर आधी रात फरार

संवाददाता

सिमरीबख्तियारपुर सहरसा: बख्तियापुर थाना क्षेत्र के आजाद नगर गंज से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां दिल्ली में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे एक व्यक्ति की पत्नी आधी रात को छह वर्षीय पुत्र को लेकर किसी अन्य पुरुष के साथ फरार हो गई। पीड़ित पति ने पत्नी के विरुद्ध थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महेश कुमार भगत ने थाना को दिए आवेदन में बताया है कि वह दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है।

गत गुरुवार की देर रात उसकी पत्नी सीमा देवी घर से अपने छह वर्षीय पुत्र को लेकर किसी दूसरे मर्द के साथ फरार हो गई। इतना ही नहीं, वह घर से कपड़ों से भरा तीन ट्रॉली बैग और करीब 20 हजार रुपये नकद भी अपने साथ ले गई। घटना की जानकारी घर में मौजूद अन्य स्वजनों ने दूरभाष पर पीड़ित पति को दी। इसके बाद पति ने पत्नी के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ पाया गया। अपने स्तर से काफी खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो पीड़ित ने बख्तियापुर थाना में लिखित आवेदन देकर पत्नी व पुत्र की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई। इस संबंध में बख्तियापुर थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है तथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएँ, और त्वरित समाधान का का दिए निर्देश

संवाददाता

दरभंगा। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में ''जनता के दरबार'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से 40 से अधिक परिवादी उपस्थित हुए। जिनमें 30 ऑनलाइन एवं 10 ऑफलाइन आवेदक शामिल थे। जिलाधिकारी ने सभी परिवादियों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता धैर्यपूर्वक सुना तथा कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया। शेष आवेदनों को संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए शीघ्र जांच कर निष्पादन कराने का निर्देश दिया गया।

आज प्राप्त आवेदनों में खाद्य आपूर्ति, शिक्षा, सामाजिक कल्याण, पंचायती राज, सहकारिता, परिवहन, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग से संबंधित विभिन्न मामले शामिल। जिलाधिकारी ने मामलों के निष्पादन में तेजी लाने हेतु स्वयं दूरभाष पर संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों का निवारण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा राज्य सरकार की प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध, प्रभावी एवं पारदर्शी समाधान करना है।

पटेल मैदान में रणधीर वर्मा मेमोरियल जिला क्रिकेट लीग 2025-26 का हुआ शुभारंभ

फ्रेडस क्रिकेट एकेडमी ने एलेवन स्टार क्रिकेट क्लब को 9 विकेट से किया पराजित

संवाददाता

सहरसा: जिला क्रिकेट संघ द्वारा शुक्रवार से पटेल मैदान में रणधीर वर्मा मेमोरियल जिला क्रिकेट लीग 2025-26 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में उपस्थित सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीयांश तिवारी, डी आर डी ए डायरेक्टर सह जिला खेल पदाधिकारी वैभव कुमार के द्वारा फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के साथ बल्लेबाजी करते हुए उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष आशीष कुमार कात्यायन, सचिव विश्वजीत बनर्जी, संयुक्त सचिव आशुतोष आनंद, कोषाध्यक्ष असफहान खान एवं पूर्व अध्यक्ष ब्रह्मदेव कामत, पूर्व सचिव बादल कुमार, खिलाड़ी प्रतिनिधि नसीम आलम के द्वारा सदर अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिला खेल पदाधिकारी को शाल, बुके एवं मोमेंटो से सम्मानित किया।

इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रीयांश तिवारी ने कहा कि खिलाड़ियों के क्रिकेट में भविष्य निर्माण के लिए जिला क्रिकेट संघ द्वारा इस

प्रकार के आयोजन निस्संदेह सराहनीय एवं प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को इस अवसर से लाभ मिलेगा जिससे वे अपनी प्रतिभा से जिले एवं राज्य का नाम रौशन कर सके।इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी वैभव कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिले में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है बशर्ते कि वो खेल के प्रति अपना लगन, अपनी एकाग्रता अनुशासन के साथ बनाए रखे। जिला खेल पदाधिकारी ने जिला क्रिकेट संघ के द्वारा प्रतिभा को निखारने के लिए आयोजित जिला क्रिकेट लीग जैसे माध्यम की प्रशंसा की।रणधीर वर्मा जिला क्रिकेट लीग का आज उद्घाटन मैच फ्रेंड्स क्रिकेट एकेडमी एवं एलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जिसमें एलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर अविनाश बिट्टू के 44 रन (58 बॉल), अभिनव के 13 रन (20 बॉल), अमित के 12 रन (22 बॉल) की सहायता से 106 रन बनाया.जिसके जवाब में फ्रेडस क्रिकेट एकेडमी ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर अमन के 50 रन (47 बॉल), निखिल के 25 रन (23 बॉल), स्नेहिल के 11 रन (11 बॉल) की सहायता से 107 रन बनाया।इस प्रकार फ्रेडस क्रिकेट एकेडमी ने एलेवन स्टार क्रिकेट क्लब को 9 विकेट से पराजित किया।फ्रेडस क्रिकेट एकेडमी की ओर से वैभव ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट, आयुष ने 5 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट, अंकित ने 4 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किया जबकि एलेवन स्टार क्रिकेट क्लब की ओर से अभिनव ने 1 विकेट प्राप्त किया। आज के मैच के मेन ऑफ द मैच वैभव कुमार बने।

आज के मैच के निर्णायक प्रकाश रंजन सिंह एवं श्रवण कुमार एवं स्कोरर आकाश मोदी थे।आज के मैच में जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष आशिष कुमार कात्यायन, सचिव विश्वजीत बनर्जी, संयुक्त सचिव आशुतोष आनंद, कोषाध्यक्ष असफहान खान, खिलाड़ी प्रतिनिधि नसीम आलम, शशि यादव, पूर्व खिलाड़ी नित्यानंद ठाकुर इत्यादि उपस्थित थे। मैच के सफल संचालन में करण, रौशन, अभिनव, रवि, उज्जवल, प्रतयुष, निखिल, बिट्टू, राहुल, प्रियांशु इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

ड्रग्स सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

सहरसा: बिहार लोक भवन पटना की संस्था महिला इमदाद कमेटी द्वारा आयोजित किए जाने वाले सेमिनार में सम्मलित होने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सर्व नारायण सिंह रामकुमार सिंह महाविद्यालय सहरसा के तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।निबंध का विषय समाज के वंचित बच्चों एवं रेलवे स्टेशन आदि जगह पर प्रायः ड्रग्स के सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक तथा नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने हेतु था।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी आर्य सिंधु के संचालन तथा डॉ संजय सिंह व डॉ अनिरुद्ध कुमर के निर्देशन में सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार श्वेता कुमारी द्वितीय पुरस्कार परिधि पाराशर, तृतीय आदित्य कुमार, चतुर्थ मौसम कुमारी, पंचम साक्षी प्रिया, तथा छठा सुमन कुमारी को मिला। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ प्रमोद कुमार सिंह, डॉ अनंत कुमार शर्मा, डॉ विकास कुमार, डॉ मनोज विद्यासागर, डॉ अभय नाथ पाठक, डॉ रामनरेश पासवान एवं डॉ सैयद रब्बाबा फातिमा शामिल थे।इस कार्यक्रम में डॉ सुभाष कुमार, डॉ दिलशाद अख्तर, डा जीनत, उदय, प्रांजल, आदित्य कुमार, स्वीटी कुमारी, सुमन कुमारी, मौसम कुमारी, प्रदीप प्रसाद, श्वेता कुमारी, भारती कुमारी, साक्षी प्रिया, पायल शाह, गणेश कुमार, खुशी कुमारी, ज्योति कुमारी, सावित्री कुमारी, प्रीति कुमारी, आदि दर्जनो स्वयंसेवक स्वयंसेविका शामिल थें।

बख्तियापुर पुलिस ने कार से दस कार्टन प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार, कार व मोबाइल जब्त

भटौनी पुल के समीप पुलिस ने सूचना के आधार पर की कार्रवाई, फरार हुए एक अन्य तस्कर के गिरफ्तारी के लिए पुलिस कर रही है छापेमारी

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा : बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित कफ सिरप की भारी खेप बरामद की है। इस दौरान एक अल्टो कार से कुल दस कार्टन (1140 पीस) कफ सिरप जब्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इस संबंध में बख्तियारपुर थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह सूचना मिली थी कि सोनवर्षा राज की ओर से रानी बाघ की ओर एक उजले रंग की अल्टो कार से प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए भटौनी पुल के समीप वाहन को रोक दिया। जैसे ही तस्कर अपनी गाड़ी रोकी की पुलिस को देखते ही तस्कर वाहन से उतर कर भागने लगे, हालांकि पुलिस ने घेराबंदी

कर एक तस्कर को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान अल्टो कार से कुल दस कार्टन कफ सिरप बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान विक्रम कुमार (22 वर्ष), पिता अरविंद स्वर्णकार, साकिन-कांप, वार्ड संख्या 10, थाना-सौरबाजार, जिला-सहरसा के रूप में की गई है। वहीं, फरार तस्कर की पहचान बिट्टू कुमार, ग्राम चंदौर, थाना सौरबाजार, जिला सहरसा के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने जब्त कफ सिरप, अल्टो कार एवं एक मोबाइल फोन को विधिवत जब्त कर लिया है। इस संबंध में बख्तियारपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पकड़े गए तस्कर को सहरसा न्यायालय भेजते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि जिले में नशीली पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

पर्यवेक्षक की मौजूदगी में जदयू कार्यकर्ता आपस में भिड़े, विरोध प्रदर्शन के बीच बैठक स्थगित

संवाददाता

सहरसा: जनता दल यूनाइटेड इकाई की सांगठनिक चुनाव 25/28 के सफलता पूर्वक संपन्न करने हेतु बुलाई गई थी। जिसमे जिला निर्वाचन के लिए बनाए गए पर्यवेक्षक राम बाबू कुशवाहा उपस्थित हुए।ज्ञात हो कि जिला संगठन निर्वाचन के लिए जिला कमिटी के अनुशंसा से जिला निवार्ची पदाधिकारी का मनोनयन किया जाता है।दिनेश पासवान जिला महासचिव को जिला संगठन प्रभारी अमर चौधरी के अनुशंसा से जिला निवार्ची पदाधिकारी बनाया गया था।लेकिन किसी घुसपैठिए दवाब से दिनेश पासवान को इस पद से हटा दिया गया और पार्टी के अनुभवहीन एक साधारण कार्यकर्ता अंजनी कुमार सिंह को इस पद पर बना दिया गया।जिस कारण जिला कमिटी के सभी सदस्य एवं पार्टी पदाधिकारियों ने इस बात से काफी नाराज हुए और बैठक में ही विरोध प्रदर्शन कर प्रदेश नेतृत्व से पुनः दिनेश पासवान को जिला निवार्ची पदाधिकारी बनाने का प्रस्ताव पारित किए।इस विरोध प्रदर्शन को देख पर्यवेक्षक श्री कुशवाहा ने बैठक की कार्यवाही को निरस्त कर आश्वासन दिया कि कार्यकताओं के भावना को प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा और फिर आगे की कार्रवाई होगी ।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉक्टर अरुण यादव,

जनता दल यू के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर हरि नारायण यादव, प्रो बिंदु कुमार निराला, आनंदी प्रसाद मेहता, घनश्याम चौधरी, अमर यादव, विनय यादव, प्रवक्ता डॉ लुतफुल्लाह, दिनेश पासवान, सुशील यादव, प्रहलाद रमन, ललन यादव, प्रमुख शबनम कुमारी, ओवैस करनी उर्फ चुना, इश्तियाक खान, गणेश गौरव पान, उपेंद्र सिंह कुशवाहा, जय सिंह, रणवीर यादव, श्री झा, उपेंद्र दास, प्रो कैलाश प्रसाद यादव, राम बहादुर यादव, सुनील सिंह, अरुण सिंह, संजीव सिंह, शमशाद आलम, राजकुमार सिंह, विपिन गुप्ता, अस्मिता सिंह, सीमा गुप्ता, अनुज मिश्रा, अकलू दास, शिबू सदा, डब्लू शाह, संतोष यादव, अभिषेक रिक्की उर्फ बाबू एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जमीन पर कब्जा दिलाने को लेकरदर-दर भटक रहे हैं दिव्यांग महिला

डीएम को आवेदन देकर किया कार्रवाई की मांग, दबंगों से जमीन को कब्जा मुक्त कराने की लगाई गुहार

संवाददाता

सहरसा: औपबंधिक परवाना क्रमांक 231/7641 वर्ष 1976 में 32 डिसमिल जमीन पर कब्जा दिलाने को लेकर दर-दर भटक रही हैं दिव्यांग महिला। जिले के नवहट्टा प्रखंड के मुरादपुर पंचायत के धरहरा वार्ड नंबर 2 निवासी दिव्यांग महिला बेचनी देवी पति फेकन राम ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर दबंगों से जमीन को कब्जा मुक्त कराने की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में बेचनी देवी ने कहा कि मेरे ससुर स्व.फगुनी राम पिता स्व.चौधर राम के नाम से धरहरा वार्ड नंबर 2 में रकवा 32 डिसमिल जमीन 1 दिसंबर 1976 में औपबंधिक परवाना मिला। इस जमीन पर नवहट्टा प्रखंड के रसलपुर निवासी फूलो यादव पिता रघु यादव ने दखल कब्जा कर घर बना रहा है। और मुझे जमीन पर से बेदखल कर दिया है। कहने पर कहता है जमीन पर आएगा तो जान से मार देंगे। इसकी शिकायत नवहट्टा थानाध्यक्ष, अंचलाधिकारी से किया लेकिन उनके द्वारा नामित व्यक्ति पर कोई कार्रवाई नहीं किया गया। वर्तमान में उक्त 32 डिसमिल जमीन के खाता, खेसरा का रसीद मेरे ससुर के नाम से कट रहा है। हम भूमिहीन है हमलोगों को रहने के लिए जमीन भी नहीं है। उन्होंने जिलाधिकारी से 32 डिसमिल जमीन पर दखल कब्जा दिलाने की मांग की है जिससे हम महादलित दीनहीन परिवार को भरण पोषण करने में सुविधा हो सकें।

यूजीसी रेगुलेशन एक्ट लागू करने को लेकर छात्र-युवाओं ने निकाला प्रतिवाद मार्च

संवाददाता

सहरसा: यूजीसी द्वारा जारी प्रमोशन ऑफ इक्वलिटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन-2026 के समर्थन में संयुक्त छात्र-युवा संघर्ष समिति के आह्वान पर जिला परिषद प्रांगण से समाहरणालय सहरसा तक विशाल प्रतिवाद मार्च निकालकर जिला पदाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम स्मार पत्र सौंपा गया। जिसमें छात्र-युवा, सामाजिक कार्यकर्ता, आंदोलनकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिवाद मार्च जिला परिषद प्रगांण से थाना चौक, वीर कुंवर सिंह, रविदास चौक होते हुए समाहरणालय पहुंचकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी किया और यूजीसी नियमों को कॉलेज-विश्वविद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करने की जोरदार मांग उठाई। इस मौके पर संयुक्त छात्र-युवा संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि 13जनवरी को यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के लिए यूजीसी रेगुलेशन एक्ट-2026 को

अनुचित किया। जो उच्च शिक्षा में जाति, धर्म, लिंग, भाषा, क्षेत्र पर आधारित भेदभाव को रोकने के लिए एक प्रभावी कानून था इसको माननीय सुप्रीम कोर्ट के द्वारा दुरुपयोग की आशंका मानकर 29 जनवरी को रोक लगा दिया है। इस रोक के खिलाफ व यूजीसी एक्ट-2026 को लागू करवाने की मांग को लेकर एससी एसटी, ओबीसी वर्ग के छात्र-छात्राओं पूरे देश में आंदोलित है और नेताओं ने कहा कि आज भी देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक एवं महिला विद्यार्थियों के साथ भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं। रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे छात्रों की मौत इस बात का प्रमाण है कि जातीय और सामाजिक भेदभाव एक गंभीर समस्या बनी हुई है। यूजीसी के जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 से 2024 के बीच जातीय भेदभाव से संबंधित शिकायतों में लगभग 118 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऐसे में समानता से जुड़े यूजीसी के नियम भले ही पूर्ण रूप से पर्याप्त न हो लेकिन वे भेदभाव रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम थे।संयुक्त छात्र-युवा संघर्ष समिति के नेताओं ने केंद्र सरकार से मांग की कि तत्काल प्रभाव से एक सशक्त और प्रभावी ''रोहित एक्ट'' लागू किया जाए तथा यूजीसी गाइडलाइंस को और अधिक सख्त एवं प्रभावी बनाया जाए। प्रतिवाद मार्च में जिला परिषद उपाध्यक्ष धीरेन्द्र यादव, एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार, एआईवाइएफ के शंकर कुमार, आरवाइए के राष्ट्रीय पार्षद कुंदन यादव, छात्र राजद के धीरज सम्राट, भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के सनोज राम, अभाविप के कृष्णाकांत गुप्ता, छात्र लोजपा(रामविलास) के संदीप पासवान, संजय पासवान डीवाईएफआई के कुलानंद कुमार, विवेक कुमार रिंकू, आइआइपी के विद्या शर्मा, मो. ताहिर, धनोज तांती, शंभू यादव, विक्की राम, भीम कुमार भारती, सुशील यादव, प्रेम शंकर उर्फ प्रमोद यादव, सरोज यादव, मनोज पासवान, नसीमुद्दीन, वकील कुमार यादव, आईआईपी के पूर्व प्रवक्ता डॉ धनोज कुमार, अमित कुमार, आशीष कुमार, आइसा जिलाध्यक्ष आशीष आनंद, सागर कुमार शर्मा, सुरेंद्र यादव, सोनू यादव, रंजय शर्मा, रमेश यादव, भवेश यादव, मंशु यादव, विवेक कुमार रिंकू, ताबिश मेहर, मो. मोबिन, पुनपुन यादव, दिलखुश राम, संदीप पासवान, सुशील कुमार सहित हजारों प्रतिवाद मार्च में शामिल हुए।

भूकंप सुरक्षा एवं इससे संबंधित जागरूकता हेतु एक तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

सहरसा: स्थानीय अभियंत्रण महाविद्यालय अंतर्गत भूकंप सुरक्षा एवं इससे संबंधित जागरूकता हेतु एक तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भूकंप जैसी आपदा आने के समय किसी भी व्यक्ति द्वारा स्वयं की सुरक्षा एवं कमजोर सरंरचनाओं के क्षतिग्रस्त हो जाने से उसके अंदर फंसे हुए लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने अर्थात उनके बचाव हेतु की जाने वाली त्वरित प्रतिक्रिया से संबंधित पूर्वाभ्यास आदि की जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से जिला पदाधिकरी के निदेशानुसार जिला आपदा प्रबंधन शाखा के सहयोग से आयोजित कराया गया। ऊक्त कार्यक्रम को ठअमक्रएसडीआरएफ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के वार्षिक संयुक्त अभ्यास के रूप में चिह्नित किया जाता है। सक्रिय रूप से एसडीआरएफ बिहटा एवं एसडीआरएफ सहरसा की कंपनी द्वारा मॉक ड्रिल का डेमो दिया गया। कार्यक्रम में सहयोग हेतु बिहार अग्निशमन सेवा एवं बिहार स्वास्थ्य सेवा के स्थानीय अधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति भी सराहनीय रही। सहरसा अभियन्त्रण महाविद्यालय एवं राजकीय पॉलीटेक्निक सहरसा दोनो संस्थान से लगभग 200 से ज्यादा की संख्या में छात्र- छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर इस कार्यक्रम का लाभ उठाया एवं आपदा से बचाव हेतु उनके द्वारा जीवन रक्षा के विभिन्न कौशल की जानकारी प्राप्त की गई ज्ञात हो कि विगत माह भी भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन संस्थान स्तर पर सफलता पूर्वक आयोजित किया जा चुका है एवं इस प्रकार के कार्यक्रम संस्थान में पूर्व में भी आयोजित किए जाते

रहे हैं। इन कार्यक्रमों के आयोजन से छात्र- छात्राओं में कौशल विकास एवं क्षमता वृद्धि होती है। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन को आवश्यकता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में उदय प्रताप सिंह, जिला आपदा प्रभारी के साथ संस्थान के प्राचार्य प्रो डॉ रामचंद्र प्रसाद, नोडल पदाधिकारी मिथिलेश कुमार, एसडीआरएफ के इंस्पेक्टर ज्योति कुमार झा, एसडीआरएफ के सुदामा पाठक, दोनो कंपनियों के लगभग 30 से ज्यादा जवान, एवं विभिन्न प्राध्यापकगण की उपस्थिति सराहनीय रही। प्राचार्य एवं आपदा प्रभारी के धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम को समाप्ति की गई।

लार्ड बुद्धा कोशी मेडिकल संस्थान में संस्थापक स्व डॉ पी के सिंह की जयंती समारोह आयोजित

संवाददाता

सहरसा: बैजनाथपुर स्थित लार्ड बुद्धा कोशी मेडिकल, फामेर्सी, नर्सिंग संस्थान एवं आईभीएफ सेन्टर व अस्पताल के प्रांगण में शुक्रवार को संस्थान के संस्थापक एवं पूर्व चेयरमैन स्व डॉ पी के सिंह की पावन जयंती गरिमामय ढंग से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 10:30 बजे पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन आईएमए बिहार राज्य के वर्तमान अध्यक्ष एवं संस्थान के पूर्व प्राचार्य-सह-शैक्षणिक सलाहकार डॉ अशोक कुमार यादव ने उपस्थित जन-समूह को संबोधित किया। उन्होंने स्व डॉ पी के सिंह के जीवन संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "कोशी जैसे पिछड़े और प्राकृतिक आपदाओं से जूझने वाले क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सेवा की नींव रखना एक ऐतिहासिक कार्य था।

उनके अथक प्रयासों के कारण ही आज इस क्षेत्र के लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ हो पा रही हैं। कार्यक्रम में सभी संबद्ध संस्थानों के प्राचार्य, अधीक्षक, प्राध्यापक, चिकित्सा शिक्षा के शिक्षकगण, विभिन्न पदाधिकारी एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी अपनी सहभागिता दर्ज की और संस्थापक महोदय के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। संस्थान में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सभी ने स्व डॉ सिंह के जनकल्याणकारी कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। समारोह के समापन पर 'प्रसाद वितरण-सह-भंडारा' का आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल स्टाफ, छात्र और स्थानीय लोगों ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया।

संक्षिप्त खबरें

पार्टी के एक कर्मठ कार्यकर्ता थे
अधिवक्ता इंद्रदेव यादव जी : पूर्व सांसद

संवाददाता

औरंगाबाद : भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सह अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष सह एपीपी वरीय अधिवक्ता इन्द्रदेव यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त एवं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इनका निधन बहुत दुःखद है। इन्होंने अपना पूरा जीवन पार्टी के लिए समर्पित कर दिया।उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा का भाव सदैव स्मरणीय रहेगा।यह भाजपा के पूर्णकालिक कार्यकर्ता थे इन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन पार्टी के लिए समर्पित रहा।ऐसे कर्तव्यनिष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ता हम सभी कार्यक्रयाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।इनका निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।ईश्वर परिवार को इस दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इस दुःख की घड़ी में मैं परिवार के साथ हुँ।

इनके निधन पर भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी, पूर्व विधायक सह भाजपा नेता सुरेश मेहता, पूर्व जिलाध्यक्ष इन्द्रदेव यादव, अवध किशोर प्रसाद सिंह, मनोज शर्मा, देव पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह, सुनील शर्मा, युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह, शुभेंदु शेखर सिंह, पूर्व सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, अनिता सिंह, जिला परिषद सदस्य रामेश्वर बैठा, ब्यापार मंडल अध्यक्ष पीयूष रंजन उर्फ रिशु सिंह, जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह, नलिनी रंजन, प्रफुल्ल सिंह, बिनोद सिंह, मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता, राजेश सिंह, भाजपा नेता सुरेन्द्र गुप्ता, जितेन्द्र गुप्ता, अमरीश सिंह, आलोक सिंह, अखिलेश मेहता, विनय शर्मा, रविन्द्र शर्मा, राकेश कुमार देवता, मुनीन्द्र राम, बिनोद चन्द्रवंशी, प्रवीण गुप्ता, पूर्व मुखिया सुरेन्द्र गुप्ता, भरत सिंह, विक्रांत सिंह चौहान, किसान मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष विनय सिंह, जिला प्रवक्ता जुलेखा खातून, अंजली सिंह, सारिका शेखर, गुड़िया सिंह, सुबोध सिंह, भाजपा कार्यकर्ता एवं समाजसेवियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पशु तस्करों की साजिश नाकाम, पिकअप से पशु सहित पिकअप जब्त अकोढ़ी गोला थाना ने किया जप्त

संवाददाता

अकोढ़ी गोला/रोहतास: अकोढ़ी गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत अकोढ़ीगोला आयर कोठा मुख्य मार्ग पर रात्रि गश्त के क्रम में जनता से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा सघन जांच की गई। सूचना के अनुसार एक पिकअप (मैजिक) वाहन पर एक सांड एवं एक भैंसा लादकर अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। पुलिस टीम ने वाहन को रोका तथा जांच में पाया गया कि वाहन में पशु परिवहन के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं था तथा यह पशु तस्करी की कोशिश थी। वाहन को तत्काल जब्त कर लिया गया है। वाहन चालक ने पुलिस को देखते ही मौके से फरार होने की कोशिश की, जिसके चलते उसकी तलाश की जा रही है।

वाहन मालिक की भी पहचान एवं तलाश जारी है। जब्त पशु (एक सांड एवं एक भैंसा) को सुरक्षित रखा गया है तथा पशु कल्याण विभाग को सूचित किया गया है। इस मामले में भारतीय पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 एवं संबंधित धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने जनता दरबार लगा सनी 45 लोगों की समस्याएं

संवाददाता

औरंगाबाद : पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में सबका सम्मानझजीवन आसान के तहत आयोजित जनता दरबार में कुल-45 आगंतुकों की शिकायतें सुनी गई। पुलिस अधीक्षक के द्वारा सभी लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित को निर्देश दिए गए।

चेतावनी आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द उनकी समस्याएं समाप्त कर दी जाएगी। वहीं पुलिस अधीक्षक द्वारा लगातार जनता दरबार लगा सुनी जा रही जनता की समस्याओं से एक तरफ जनता में खुशी की लहर है तथा अपनी न्याय की उम्मीद की एक किरण भी दिखाई देने लगी है। जिससे सबसे ज्यादा उन निचले तबके के लोगों को मिल रहा है जो ब- मुश्किल वकील का फीस या उनसे राय ले सकते हैं।

डीएम उदिता सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में संचालित फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा की

संवाददाता

डेहरी/रोहतास: किसान पंजीकरण (फार्मर रजिस्ट्री) कार्य में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन लगातार जुटा है। जिलाधिकारी, रोहतास श्रीमती उदिता सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में संचालित फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रखंडवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को पंजीकरण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकतम संख्या में किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाए तथा जिन किसानों के नाम से जमाबंदी कायम है, उनका अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाए। उन्होंने जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका को निर्देशित किया कि जीविका दीदियों के सहयोग से ऐसे किसानों को चिन्हित कर शिविर स्थलों तक लाना सुनिश्चित करें, जिनका अब तक पंजीकरण नहीं हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री किसानों की एक डिजिटल पहचान है, जिसके माध्यम से उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं, अनुदान, बीमा, फसल सहायता एवं अन्य लाभों का सीधा फायदा मिलेगा। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। साथ ही, किसानों को पंजीकरण के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अधिक से अधिक किसान इस महाअभियान का लाभ उठा सकें।

अमोखर में 15 फरवरी को शहीद सूबेदार संतोष कुमार की प्रथम पुण्यतिथि सह प्रतिमा अनावरण

संवाददाता

गयाजी परैया: गुरुआ विधानसभा क्षेत्र के परैया प्रखंड अंतर्गत अमोखर गांव में 15 फरवरी को शहीद सूबेदार संतोष कुमार की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, स्थानीय विधायक डॉ. उपेंद्र प्रसाद, अतिपिछड़ा आयोग के सदस्य अमित कुमार दांगी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षाविद् तथा क्षेत्र के सम्मानित नागरिक भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। आयोजन को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। स्थानीय स्तर पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन की टीम लगातार निरीक्षण कर रही है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

अखिल भारतीय मिथिला संघ, दरभंगा द्वारा आईएएस अधिकारी, सनोज कुमार झा का दरभंगा में हुआ स्वागत सह भव्य सम्मान समारोह आयोजित

संवाददाता

दरभंगा। अखिल भारतीय मिथिला संघ के तत्वावधान मे जी एम रोड स्थित उत्सव विवाह भवन परिसर में स्वागत सह भव्य सम्मान समारोह का संघ के अध्यक्ष, विनय कुमार झा उर्फ संतोष झा की अध्यक्षता एवं संघ के उपाध्यक्ष, रामनाथ पंजियार के संचालन में भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी सह प्रख्यात आईएएस अधिकारी, सनोज कुमार झा को उनके दीर्घ प्रशासनिक अनुभव एवं उत्कृष्ट कार्यशैली देश के प्रति जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दरभंगा पहुंचने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के बुद्धिजीवी, समाजसेवी, शिक्षाविद्, अधिवक्ता एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह मिथिला की पारंपरिक के साथ स्वागत परंपरा के साथ हुई। संघ के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी व मिथिला पुत्र सनोज कुमार झा का मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग, चादर एवं माला पहनाकर एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। बता दें सनोज कुमार झा 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इन्होने कई राष्ट्रीय स्तर के उच्च पदों को सुशोभित किया हैं। जिसमे विद्युत कमीशन सचिव, खाद्य आपूर्ति सचिव, कोल इंडिया के चेयरमैन आदि पदों पर रह चुके हैं। वर्तमान में कोल इंडिया के अपर सचिव

है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा श्री झा ने अपने प्रशासनिक जीवन में अनेक महत्वपूर्ण विभागों में कार्य करते हुए जनहित से जुड़े कई ऐतिहासिक निर्णय लिए। उनके नेतृत्व में विकास योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हुआ तथा प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यकुशलता का उदाहरण स्थापित किया गया है। वक्ताओं ने कहा सनोज कुमार झा मिथिला ही नहीं बल्कि पूरे बिहार के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया। उनके योगदान से विभिन्न क्षेत्रों में विकास को नई गति मिली। श्री झा ने अपने सम्बोधन में अखिल भारतीय मिथिला संघ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा मिथिला की सांस्कृतिक विरासत, बौद्धिक परंपरा, सामाजिक एकता ही इस क्षेत्र की पहचान है। और समाज के सहयोग से ही विकास संभव है। उन्होंने युवाओं से कहा प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़कर समाज निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा ऐसे सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नई पीढ़ी को प्रेरणा देते हैं। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अखिल भारतीय मिथिला संघ, दरभंगा के अध्यक्ष, विनय कुमार झा, संतोष झा ने कहा आज हम लोगों ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, सनोज कुमार झा को सम्मानित करते हुए गर्व और खुशी हो रही है। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए लोगों की सेवा करते हैं और किसी को भी मायूस होकर नहीं लौट देते हैं। मैं ईश्वर से कामना करता हूं सनोज कुमार झा आगे भविष्य में और उच्च पद पर देश और समाज की सेवा करें। सम्बोधित करते हुए मुखिया संघ के अध्यक्ष सह समाजसेवी, राजीव कुमार चौधरी ने खुशी व्यक्त किया और कहा यह हमारे दरभंगा और मिथिला के लिए गर्व और सम्मान की बात है देश के सर्वोच्च पद पर अपनी सेवाए दें रहे है और अपने स्तर पर समय समय पर लोगो की मदद करते रहते है। अंत में मुख्य अतिथि एवं इस अवसर पर आए सभी लोगो का संघ के उपाध्यक्ष रामनाथ पंजियार ने धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियदर्शनी, ई. दयानंद मिश्र, अम्रतय सौरभ, चंद्रशेखर झा उर्फ बूढ़ा भाई, पवन कुमार चौधरी, छात्र नेता, दीपक झा, कांग्रेस नेता दिनेश गंगनानी, अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार कश्यप, संघ के प्रवक्ता, रौशन कुमार झा, सुनील कुमार झा, अभिषेक कुमार सिंह, पूर्व पार्षद उपेंद्र शर्मा, राघवेंद्र झा, रणधीर कुमार झा, मिथिलेश कुमार साह, शिव कुमार, गणेश मंडल, पंकज कुमार ठाकुर, क्रांति सिंह, हुसैन मंसूरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लोहिया चौक से एकमी गोलंबर तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए अतिक्रमण वाद चलाया गया

संवाददाता

दरभंगा। जिला प्रशासन द्वारा आज लोहिया चौक से एकमी तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड निर्माण कार्य को सुचारु रूप से प्रारंभ कराने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर स्थाई, अस्थाई अतिक्रमण वाद अभियान चलाया गया। कई लोग ने अपने मकान को तोड़कर हटा दिए हैं। अभियान के अंतर्गत सड़क किनारे स्थित स्थायी एवं अस्थायी भवनों/संरचनाओं को नियमानुसार हटाया गया। प्रशासन द्वारा पूर्व में अतिक्रमणकारियों को आवश्यक नोटिस एवं सूचनाएँ प्रदान की गई थीं। आज की कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। आज काफी संख्या में पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई। भूमि सुधार उपसमाहर्ता ने बताया अतिक्रमण बाद आगे भी चलता रहेगा। एलिवेटेड रोड के निर्माण हो जाने के बाद यातायात में काफी सुगमता आएगी। जाम से मुक्ति मिलेगी, लोग कम समय में अपने गंतव्य स्थल पर पहुंच पाएंगे। इससे सड़क दुर्घटना में काफी कमी आएगी। एलिवेटेड रोड के नीचे भी 4 लाइन रोड होगी। बिहार पूर्ण निर्माण निगम के द्वारा एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू होगा। अनुमंडल पदाधिकारी (सदर), डीसीएलआर, अंचलाधिकारी थानाप्रभारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया एलिवेटेड रोड निर्माण से शहर में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, जाम की समस्या में कमी आएगी, आमजनों को आवागमन में सुविधा होगी। विकास कार्यों में जनसहयोग अपेक्षित है।

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है वे सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें और विकास परियोजनाओं में सहयोग प्रदान करें।

शांति समिति की बैठक में महाशिवरात्रि पर हुई शांति समिति की बैठक
एसडीएम ने लोगों से की सौहार्द बनाए रखने की अपील

संवाददाता

डेहरी/रोहतास: डेहरी नगर थाना परिसर में आगामी 15 फरवरी को मनाए जाने वाले महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक शुक्रवार की शाम आयोजित की गई। अध्यक्षता एसडीएम निलेश कुमार ने की। बैठक के दौरान एसडीएम ने शहरवासियों से त्योहार पर क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अराजकता को रोकने के लिए सुझाव मांगे। उन्होंने सभी से इस पर्व को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील करते हुए।

स्पष्ट चेतावनी दी कि झारखंडी मंदिर के समीप अराजकता फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए महिला एवं पुरुष बल की तैनाती की गई है। सभी को आश्वस्त किया कि पर्व के दौरान नगर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी, तथा नियमित गश्त की जाएगी। उन्होंने सभी से आपसी सहयोग बनाए रखने और त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। थानाध्यक्ष शिवेन्द्र कुमार ने कहा कि झारखंडी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में अधिक भीड़, विशेषकर महिलाओं की संख्या को देखते हुए महिला वॉलंटियर्स की तैनाती सुनिश्चित की गई है। कहा कि किसी भी कार्रवाई के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है, तथा पहचान पत्र मांगे जाने पर निर्भीक होकर दें।

उन्होंने समितियों को अपने आयोजनों की जिम्मेदारी स्वयं निभाने और पर्व को भाईचारे व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। बैठक में बीडीओ अजीत कुमार, टीओपी दो प्रभारी चन्द्रहास कुमार, विद्युत विभाग के जेई प्रमोद कुमार, नप स्वच्छता प्रवेक्षक प्रणव कुमार, अधिवक्ता मनोजक अज्ञानी, अधिवक्ता उमाशंकर पांडेय उर्फ मुटुर पांडेय, बैरिस्टर सिंह, कुंवर सिंह, मुन्ना लाल कसेरा, भाजपा नेता अजय सिंह, अब्दुल कलाम आजाद, धनंजय शर्मा, प्रमोद महतो, संजय गुप्ता समेत लोग शामिल थे।

औरंगाबाद: एनएच-19 पर ट्रैक्टर-ट्रेलर व बाइक की भीषण टक्कर में एक की मौत 6 से अधिक घायल

संवाददाता

औरंगाबाद: राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर शहर से सटे जसोइया मोड़ के समीप ट्रैक्टर, टेलर व बाइक की जोरदार टक्कर में ट्रैक्टर सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गयी. वहीं आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान झारखंड राज्य के गुमला जिला अंतर्गत अमलिया बजिया टोली निवासी घोड़िया उरांव के पुत्र लच्छू राव के रूप में हुई है।वहीं घायलों में ट्रैक्टर सवार झारखंड के लोहरदग्गा निवासी रामचरण महतो के पुत्र बिमल कुमार महतो, रिसियप थाना क्षेत्र के सनथुआ गांव निवासी अमित रविरंजन राम के पुत्र रोहित कुमार, बाइक सवार मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव निवासी सुभाष भारती के पुत्र नंदकिशोर भारती, पत्नी रेखा कुमारी, बारुण प्रखंड के बकतरपा गांव निवासी प्रकाश कुमार की पत्नी पूजा कुमारी, भाई सत्यम कुमार, बारुण प्रखंड के गोपालपुर गांव निवासी रीना कुमारी व भाई गुड्डू कुमार सहित अन्य शामिल है. घटना शुक्रवार की दोपहर की बताई जा रही है.

सदर अस्पताल में इलाज के दौरान ट्रैक्टर सवार घायल रोहित कुमार ने बताया कि वह सनथुआ गांव स्थित एक ईंट भट्ठे से ट्रैक्टर पर ईंट लादकर औरंगाबाद शहर के फार्म के आसपास पहुंचाने गया था. ईंट पहुंचाने के बाद वह वापस भट्टे पर लौट रहा था. जैसे ही जसोईया मोड स्थित एलआईसी ऑफिस के समीप पहुंचा, तभी तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रेलर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया. टेलर की टक्कर के बाद ट्रैक्टर पलट गया और सभी लोग उसके नीचे दब गए. इसी दौरान टेलर के पीछे से आ रहे दो बाइक भी टकरा गया और उस पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

यूं कहें कि ट्रैक्टर, ट्रेलर और बाइक की भीषण टक्कर में सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति रही. स्थानीय लोगों ने किसी तरह ट्रैक्टर के नीचे दबे लच्छू व अन्य लोगों को बाहर निकाला. दुर्घटना इतनी भयावत थी कि दोनों बाइक ट्रेलर में बुरी तरह से फस गया और उसी के नीचे दबकर तीन महिला सहित सभी लोग घायल हो गए. स्थानीयलोगों ने सभी को निकाल कर आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया. पता चला कि सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने ट्रैक्टर सवार लच्छू का नब्ज टटोलते ही मृत घोषित कर दिया. वहीं अन्य घायलों का इलाज किया गया.

इधर घटना की सूचना पर सभी घायलों के परिजन बारी-बारी से सदर अस्पताल पहुंचे और सभी घायलों का हाल जाना. इसके बाद आगे की इलाज की प्रक्रिया में जुट गए. सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने रीना की स्थिति गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया. घायल पूजा कुमारी ने बताया कि कुछ दिन पूर्व पूजा के मायके बहुआरा गांव में उसके भाभी का प्रसव के बाद मासूम बच्चें की मौत हो गई थी. मासूम की मौत के बाद वह ढाढस बंधाने अपनी मायके गई थी।

पता चला की पूजा के ससुराल में देवर का विवाह होना था. पूजा अपनी भाभी रेखा कुमारी, भाई नंदकिशोर, सत्यम व मासूम भांजे के साथ बाइक पर सवार होकर बकतरपा गांव जा रही थी. जैसे ही वह जसोइया मोड़ स्थित एलआईसी ऑफिस के समीप पहुंची, तभी अनियंत्रित ट्रेलर ने ट्रैक्टर में टक्कर मार दिया. इस दौरान बाइक संभल नही सका और सभी लोग टेलर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद संबंधित थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई. पुलिस ने ट्रैक्टर, ट्रेलर और दो बाइक को जब्त कर लिया. इधर अस्पताल कर्मियों द्वारा घटना की सूचना नगर थाना की पुलिस को दी गई।

काबर झील पर दूरदर्शन टीम ने शूटिंग किया

संवाददाता

बेगुसराय: पटना दूरदर्शन की एक टीम बेगूसराय जिले के काबर टाल रामसर साईट पर documentry बनाने के लिए काबर टाल और जयमंगलागढ पहुंचीं। इस दौरान जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल काबर टाल पक्षी विहार पर विशेष डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग की गई।

बेगूसराय ही नहीं बिहार के ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों में जयमंगलागढ और काबर झील का विशेष महत्व है। टीम के सदस्यों ने बताया कि इसको राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना इस डाक्यूमेंट्री का लक्ष्य है। मौके पर काबर झील पक्षी विहार, हरसाई के बौद्ध स्तूप, जयमंगलागढ़ स्थित माता मंदिर और अन्य स्थानों पर विस्तृत शूटिंग की गई। जयमंगलागढ़ स्थित जयमंगला देवी मंदिर की धार्मिक आस्था और काबर झील की प्राकृतिक सुंदरता को कैमरे में कैद करके टीम ने स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर क्षेत्र की विशेषताओं और पर्यटन संभावनाओं पर जानकारी जुटाई।मौके पर टीम के साथ मौजूद अजीम शायर और हमारे अजीज नीलांशु रंजन और अन्य लोग थे। टीम के सदस्यों ने इस संबंध में पत्रकार महेश भारती जानकारी हेतु इंटरव्यू लिया और उनको काबर टाल, हरसाई स्तूप और जयमंगलागढ के इतिहास के संबंध में जानकारी साझा किया।

क्लस्टर एवम जीविका दीदी द्वारा संचालित मसरूम हट का निरीक्षण

संवाददाता

बेगूसराय: ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में चल रहे प्रयासों की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्री क्लस्टर एवम जीविका दीदी श्रीकांत शास्त्री द्वारा शुक्रवार को मटिहानी प्रखंड स्थित मशरूम क्लस्टर एवं जीविका दीदियों द्वारा संचालित मशरूम हट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने योजना के क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों की प्रगति, लागत संरचना तथा भविष्य की संभावनाओं से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

जिला पदाधिकारी ने जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका एवं उपस्थित दीदियों से संवाद करते हुए योजना की वर्तमान स्थिति, लाभार्थियों की भागीदारी, उत्पादन क्षमता, विपणन व्यवस्था तथा आयवर्धन के संभावित प्रभावों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि निमार्णाधीन कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करते हुए मशरूम क्लस्टर को शीघ्र पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं को सतत आजीविका का सशक्त माध्यम उपलब्ध हो सके। इस क्रम में कार्यकारी एजेंसी स्मार्ट ग्रैविटी

एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, मुजफ्फरपुर को शेष बचे निर्माण एवं तकनीकी कार्यों को अधिकतम एक माह के भीतर पूर्ण करने तथा उत्पादन गतिविधियों को प्रारंभ कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही गुणवत्ता मानकों के अनुपालन, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता तथा प्रशिक्षण व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने को कहा गया।निरीक्षण के दौरान जीविका से जुड़ी दीदियों ने मशरूम उत्पादन से प्राप्त हो रहे लाभ, कम लागत में अधिक आय की संभावनाएं, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन तथा पोषण सुरक्षा में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संगठित रूप से मशरूम उत्पादन किए जाने से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि हो रही है तथा परिवार की आय में सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने दीदियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मशरूम उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, विपणन सहयोग तथा वित्तीय समन्वय की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं, ताकि यह पहल जिले में एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित हो सके। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, प्रखंड विकास पदाधिकारी मटिहानी, प्रबंधक खेती-बाड़ी ओम कश्यप, प्रखंड परियोजना प्रबंधक मटिहानी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं जीविका समूह की दीदियां उपस्थित थीं।

एनटीपीसी नवीनगर द्वारा किया गया मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता

औरंगाबाद: एनटीपीसी नवीनगर द्वारा अपनी सामुदायिक विकास नीति के अंतर्गत दो दिवसीय निःशुल्क मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) जांच शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों के लिए आयोजित इस शिविर में लगभग 250 लोगों ने नेत्र संबंधी जांच एवं परामर्श की सुविधा प्राप्त की। मेह एवं अंकोरहा के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (APHC) में सफलतापूर्वक आयोजित इस मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) जांच शिविर का शुभारंभ अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री ओंकार नाथ एवं एनटीपीसी नबीनगर अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रीमती संगीता शर्मा द्वारा किया गया। इस जांच शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद लोगों को समय पर जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों ने ग्रामीणों की आंखों की जांच कर मोतियाबिंद मरीजों की पहचान की तथा उन्हें परामर्श प्रदान किया। इन मरीजों को एनटीपीसी नबीनगर द्वारा शीघ्र ही निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। यह शिविर एनटीपीसी नवीनगर के अधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) की निगरानी में आयोजित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों और ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।

ज्ञातव्य हो कि विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त एनटीपीसी नबीनगर अपने नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) एवं पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (R&R) विभाग के माध्यम से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्यरत है।

संपादकीय

जीसीसी देशों में प्रवासन का अनुभव चुनौतियों से भरा

संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, कतर, बहरीन और ओमान में नौ मिलियन से अधिक भारतीयों के निवास के साथ यह क्षेत्र रोजगार की तलाश में भारतीय प्रवासियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बना हुआ है। भारत विश्व स्तर पर प्रेषण का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है, जिसका अधिकांश भाग जीसीसी से आता है। प्रारंभ में भारतीय प्रवासी मुख्य रूप से निर्माण, घरेलू सेवाओं और रखरखाव सहित नीले-कॉलर क्षेत्रों में कार्यरत थे। हालांकि, हाल के वर्षों में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, वित्त, शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सफेद-कॉलर नौकरियों में भारतीयों की बढ़ती संख्या देखी जा रही है. आर्थिक लाभों के बावजूद, जीसीसी देशों में प्रवासन का अनुभव चुनौतियों से भरा है। सभी छह देशों में राजशाही शासन प्रणाली है, जिसमें श्रम अधिकार सीमित हैं, जिसके कारण मानवाधिकार उल्लंघन की खबरें आती रहती हैं, खासकर कम आय वाले प्रवासी श्रमिकों के बीच एक महत्वपूर्ण चिंता विवादास्पद कफाला (प्रायोजन) प्रणाली है, जिसके तहत एक स्थानीय नियोक्ता (कफील) प्रवासी के कानूनी और रोजगार संबंधी स्थिति पर व्यापक नियंत्रण रखता है जिससे अक्सर शोषण और दुर्व्यवहार होता है, क्योंकि श्रमिक अपने प्रायोजक की अनुमति के बिना नौकरी नहीं बदल सकते या देश नहीं छोड़ सकते। जीसीसी देशों ने अपने श्रम कानूनों में सुधार करना शुरू कर दिया, जिनमें से कुछ ने श्रमिक सुरक्षा बढ़ाने और महामारी के बाद के श्रम बाजार की गतिशीलता के अनुकूल होने के लिए कफाला प्रणाली के कुछ पहलुओं को संशोधित या समाप्त कर दिया। भारत से विदेशों में नौकरी करने गए कई युवाओं की दर्दभरी दास्तानें सामने आती रही हैं। अनेक कहानियां सोशल मीडिया पर देखी जा सकती हैं। दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियर अमन भोला अप्रैल 2023 में कुवैत बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर गए थे। शुरूआत में नौकरी का अवसर अच्छा दिखाया गया था लेकिन वास्तविकता बिल्कुल अलग निकली। अमन को इंटरव्यू में सामान्य कार्य घंटे, सही ओवरटाइम भुगतान और सम्मानजनक कामकाजी माहौल का भरोसा दिया गया था। कंपनी में मजदूरों से रोज लगभग 16 घंटे तक काम कराया जाता था। कानून के अनुसार अधिकतम कार्य सीमा और 125 प्रतिशत ओवरटाइम भुगतान का प्रावधान है लेकिन अमन के अनुसार मजदूरों को केवल लगभग 65 प्रतिशत भुगतान मिलता था। इसी को लेकर मजदूरों की शिकायतें लगातार सामने आने लगीं। अमन ने बताया कि अधिकतर शिकायतें कंपनी की एचआर टीम के खिलाफ थीं। काम के घंटे, वेतन और सुविधाओं को लेकर बार-बार सवाल उठाने पर उन्हें दबाने की कोशिश की गई। जब अमन ने मजदूरों की समस्याएं प्रबंधन तक पहुंचाईं तो उन्हें इंजीनियर से फोरमैन बना दिया गया। बाद में मैनेजर और कंपनी मालिक से अनुरोध के बाद उन्हें फिर से इंजीनियर पद पर बहाल किया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आवाज उठाने वालों पर दबाव बनाने के लिए पद और पोस्टिंग का इस्तेमाल किया जाता है।

योगी सरकार ने प्रस्तुत किया समग्र विकास का बजट

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 2027 में संभावित विधानसभा चुनावों से पूर्व 9 लाख करोड़ रु का अब तक का सबसे बड़ा बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया है। सत्तापक्ष, विशेषज्ञ और मीडिया भी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। परंपरागत रूप से विपक्ष इसकी आलोचना करते हुए इसे योगी सरकार का अंतिम बजट कह रहा है। योगीराज के इस बजट का आकार भारत के पड़ोसी राष्ट्रों पाकिस्तान और बांग्लादेश के बजट से भी कई गुना बड़ा है। यूपी में योगी बजट की एक और विशेष बात है कि किसी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार 10वां बजट पेश हुआ हो ऐसा पहली बार हुआ है। अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री को लगातार इतने बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य नहीं प्राप्त हुआ है। यूपी के बजट में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की छाप दिख रही है। योगी सरकार का चुनावी वर्ष के पूर्व का यह बजट प्रदेश को समस्त क्षेत्र में विकसित बनाने का आश्वासन देने वाला बजट है, समाज को संतुष्टि प्रदान करने वाला बजटहै । बजट में समाज के चार स्तंभों युवा, किसान, गरीब व महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। बजट में सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज, नारी सशक्तीकरण ,जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण पर पर्याप्त धन आबंटित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह बजट नारी शक्ति, युवावर्ग, किसान, तथा वंचित वर्ग के उत्थान व खुशहाली को समर्पित है। यह विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाएं, उत्कृष्ट निवेश का वतावरण, नारी समृद्धि के लिए अभूतपूर्व प्रयास, युवाओं को अद्वितीय अवसर, तकनीक संग रोजगार सृजन वाला बहुआयामी बजट है। योगी सरकार प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसका प्रमाण है।

सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट होने के बाड भी बजट में राजकोषीय अनुशासन पर बल दिया गया है और आधुनिकता पर भी ध्यान दिया गया है। सरकार लगातार बजट का आकार बड़ा करके प्रदेश के आर्थिक उन्नयन के लिए नई रणनीतियों के साथ अपनी व्यूह रचना को आगे बढ़ा रही है। महत्वपूर्ण बात है कि आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, कृषि के लिए 20 प्रतिशत सिंचाई एवं जल संसाधन के लिए विगत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की गई है

सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट होने के बाड भी बजट में राजकोषीय अनुशासन पर बल दिया गया है और आधुनिकता पर भी ध्यान दिया गया है। सरकार लगातार बजट का आकार बड़ा करके प्रदेश के आर्थिक उन्नयन के लिए नई रणनीतियों के साथ अपनी व्यूह रचना को आगे बढ़ा रही है। महत्वपूर्ण बात है कि आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, कृषि के लिए 20 प्रतिशत सिंचाई एवं जल संसाधन के लिए विगत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की गई है। ग्राम पंचायतों के लिए भी सरकार ने खजाना खोल दिया है और इस बार उनके लिए बजट में 67 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पूर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव भी संभावित हैं जिनके कारण सरकार ने नई मांगो के अनुरूप सबसे अधिक 10,695 करोड़ रु की धनराशि पंचायती राज विभाग को आवंटित की है। इस वर्ष के बजट में कई नए क्षेत्रों का सृजन किया गया है व धन आवंटित कर उन्हे पोषित करने का प्रयास किया गया है। एआई तकनीक तथा डाटा सेंटर के साथ औद्योगिक विकास पर बल दिया गया है। एमएसएमई पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हर बार की तरह एक्सप्रेस वे योजनाओं को भी धन आवंटित कर विकास की गंगा बहाने पर ध्यान दिया गया है। बजट में ''एक जिला एक उत्पाद'' व ''एक जिला एक व्यंजन'' जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई हैं। विकास को गति देने के लिए हर जिले व क्षेत्र का ध्यान रखा गया है।

पर्यटन के माध्यम से भी प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व युवाओं के लिए नये रोजगार सृजन पर बल दिया गया है। बजट को लेकर सरकारी पक्ष का जोरदार दावा है कि नए बजट से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट के माध्यम से सरकार ने किसानों को साधने के लिए बजट में बीज से बाजार तक की विस्तृत योजना के साथ धन का खजाना खोल दिया है। सरकार का जोर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता पर तो है ही साथ ही वो किसानों को उद्यम, प्रसंस्करण और बाजार से भी जोड़ना चाहती है। प्रदेश के बजट में पशुधन एवं दुग्ध विकास को भी स्थान देते हुए निराश्रित गोवंश के लिए व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 220 नई दुग्ध समितियां गठित करने की घोषणा की गई है। विकास कार्यों के लिए बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी ग्रामीण अधोसंरचना को गति प्रदान करेगा, इससे सम्बंधित 43.5 हजार करोड़ रु की नई योजनाएं बजट में आवंटित की गई हैं।

बजट में बताया गया है कि प्रदेश में हो रहे बदलावों के अनुसार किस प्रकार राजस्व जुटाने में एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, देश में आबकारी निर्यात नीति तैयार करने वाला पहला राज्य बना है । देश के मोबाइल निर्माण सेक्टर में 65 प्रतिशत मोबाइल यूपी में बन रहे हैं। 44.74 हजार करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात से यूपी देश की ताकत बन चुका है। भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार तहसीलों के लिए योजना बनाई गई है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाया गया है। योगी सरकार ने इस बजट में भाजपा शासित अन्य राज्यों की कई अच्छी विकास योजनाओं को भी समाहित करने का सफल प्रयास किया है, जिसमें राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कूटी योजना एक प्रमुख उदाहरण है। प्रदेश के लघु उद्यमी बजट से खुश नजर आ रहे हैं। उद्योगपतियों का कहना है कि बजट में हस्तकरघा और अन्य योजनाओं को काफी धन मिला है। महिलाएं व युवा भी बजट का अपने अपने अनुसार स्वागत कर रहे हैं । बजट से कोई निराश दिख रहा है तो वो विरोधी दल ही हैं।

महिला सशक्तिकरण के दौर में 36 साल में इस देश को मिला पहला पुरुष प्रधानमंत्री, क्यों हारी जमात

"ये देश मुसलमानों का है, हिंदुओं का है, बौद्धों और ईसाइयों का भी है।" 58 साल का शख्त जब ढाका के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने कदम रखता है तो हजरों लोगों की भीड़ के बीच अपनी मिट्टी को सिर से लगाते हुए कुछ अंदाज में अपनी वापसी का ऐलान करता नजर आता है। 17 साल का वनवास काट अपने देश में दाखिल होने के दो महीने से भी कम समय बाद अब उसी शख्स से सिर पर देश के प्रधानमंत्री का ताज सजने वाला है। बांग्लादेश के इतिहास में 12 फरवरी 2026 का दिन एक बड़े बदलाव के रूप में दर्ज हो गया। साल 2024 के छात्र आंदोलन और शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद यह पहला मौका था जब देश में लोकतांत्रिक तरीके से नई सरकार चुनने के लिए मतदान हुआ। इस चुनाव को केवल नई संसद चुनने तक सीमित नहीं माना जा रहा बल्कि इसे देश के संविधान और शासन व्यवस्था में बड़े बदलाव की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। यह चुनाव अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की निगरानी में संपन्न हुआ। इस चुनाव की सबसे खास बात यह रही कि मतदाताओं ने केवल उम्मीदवारों को ही नहीं चुना बल्कि जुलाई चार्टर नाम के जनमत संग्रह पर भी अपनी मोहर लगाई। इसमें संविधान में व्यापक बदलावों का प्रस्ताव रखा गया है। जिनका मकसद राजनीति को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के चुनाव से बाहर रहने के कारण मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और जमात इस्लामी के गठबंधन के बीच रहा।

प्रिंस राजः तकरीबन 17 साल बाद देश में बिना आवामी लीग के नेतृत्व के चुनाव हुए जिन्हें आवामी लीग ने दिखावा ही बताया। तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। वह पिछले 17 वर्षों से लंदन में निर्वासन में रह रहे थे और चुनाव से ठीक तारिक रहमान 2008 में तारिक रहमान इलाज के लिए लंदन गए थे। उस समय उनके खिलाफ कई आपराधिक और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले चल रहे थे। राजनीतिक दबाव भी बढ़ा हुआ था। इसी वजह से वह लंबे समय तक ब्रिटेन में रहे। एक साल में उच्च अदालतो ने तारिक रहमान को बढ़े मामलों में बरी कर दिया, जिनमें 2004 का ग्रेनेड हमला और जिया ऑफिनेज ट्रस्ट मामला शामिल है। इसके बाद उनकी राजनीतिक वापसी के कानूनी रास्ते साफ हुए। उनकी वापसी और पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने उन्हें देश के अगले प्रधानमंत्री पद का सबसे मजबूत दावेदार बना दिया है। समर्थकों का मानना है कि उनके नेतृत्व में बांग्लादेश में स्थिरता और विकास का नया दौर शुरू होगा। इस चुनाव के साथ हुए जनमत संग्रह में 72% से ज्यादा मतदाताओं ने जुलाई चार्टर के पक्ष में वोट किया। इसके तहत कई बड़े सुधार प्रस्तावित हैं। प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा तय करना, संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, न्यायपालिका और पुलिस व्यवस्था में सुधार। बैटल ऑफ द बेगम्स के बाद अब : 1971 से ही बांग्लादेश की नियति जीतने वाले के नक्शे कदम पर चलती रही है। जो जीतता है वह सब कुछ ले जाता है। जो हारता है उसे जेल की कोठरी देखनी पड़ सकती है। देश से भागना पड़ सकता है या फिर उसकी कब्र भी खोद सकती है। कहानी की शुरूआत 1975 से होती है। इसी बरस शेख हसीना के पिता मुजब उर रहमान की हत्या कर दी गई। उन्हें बंग बंधु के नाम से जाना जाता था। आजादी के बाद वह देश के पहले राष्ट्रपति बने थे। लेकिन उनके राज में हालात बिगड़ गए थे। युद्ध की वजह से खजाना खाली था। सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार फैल रहा था। 1972 में मुजीब ने विद्रोह रोकने के लिए रखी वाहिनी नाम की एक फोर्स बनाई। लेकिन उस फोर्स पर ही हत्या और रेप के इल्जाम लगे। जनता का मोह भंग उनसे होने लगा। फिर तारीख आई 14 अगस्त 1975 बांग्लादेश की फौज के कुछ बागी अफसरों ने मुजीब और उनके परिवार के 18 लोगों की हत्या कर दी। किस्मत से उनकी दो बेटियां शेख हसीना और शेख रिहाना उस वक्त जर्मनी में थी। इसके बाद सत्ता जियाउ रहमान के हाथ में आई। अगले दशक में देश ने एक और सैन्य शासक देखा हुसैन मोहम्मद इरशाद के हाथ में सत्ता गई। इन दोनों सैन्य शासकों ने एक ही एजेंडा चलाया। आवामी लीग का नामोनिशान मिटा दो। उन्होंने उन ताकतों को वापस जिंदा किया जो 1971 में आजादी के खिलाफ थी ताकि आवामी लीग की लोकप्रियता को टक्कर दी जा सके। 1990 के दशक के आखिर आखिर तक इरशाद के खिलाफ माहौल बनने लगा था। तब एक दिलचस्प वाकया हुआ। दो जानी दुश्मन एक साथ आ गई। शेख हसीना और खालिदा जिया दोनों ने मिलकर के इरशाद को गद्दी से उतार फेंका। लेकिन यह दोस्ती बस मतलब भर की थी। दोनों जब ताकतवर हुई तो 1991 से एक नया दौर शुरू हुआ जिसे बेगमों की जंग कहा जाता है। बैटल ऑफ द बेगम्स। एक ही ढर्रा था जो गद्दी पर बैठेगा वो सामने वाले का धंधा बंद करवा देगा। 1991 में खालिदा जीती। 1996 में हसीना जीती। 2001 में फिर खालिदा जिया जीत गई। 2006 आते-आते सड़कों पर खून खराबा शुरू हो गया था। जब नेताओं से बात नहीं संभली तो फौज ने कहा कि अब हम संभालेंगे। 2007 में इमरजेंसी लगा दी गई और हसीना खालिदा दोनों को जेल में डाल दिया गया। फिर 2008 में चुनाव हुए। शेख हसीना ने ऐसी वापसी की कि अगले 15 साल तक गद्दी पर बनी रहीं। इस दौरान जमात के नेताओं को फांसी हुई। 2018 में खालिदा जिया जेल गई। अवामी लीग की दूरी : देश के इतिहास में यह पहली बार है, जब शेख हसीना की पार्टी चुनाव में नहीं है। यह अवामी लीग का अपना फैसला नहीं था, बल्कि उस पर थोपा गया। जो पार्टी बांग्लादेश की मुक्ति से लेकर अभी तक, उसके हर राजनीतिक-सामाजिक बदलाव की साक्षी रही है, उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया से दूर करना सही तो नहीं कहा जा सकता। बीएनपी या जमात सत्ता में जो भी आए, उसके ऊपर सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी देश की जनता की ख्वाहिशों को पूरा करने की। अंतरिम सरकार आम लोगों में भरोसा जगाने में असफल रही है। चुनाव में बीएनपी की जीत तय मानी जा रही है। अगर ऐसा होता है तो उसके सामने जनता की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती होगी।

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था। चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है।

वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश ($2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में। यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच

बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है

संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से "बहुत मैत्रीपूर्ण" चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।

वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है। वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी "समानता-आधारित" पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा। यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है। वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर "बराबरी के रिश्ते" चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां "इंडिया-न्यूट्रल" मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया—जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है। वहीं, "बांग्लादेश फर्स्ट" नारा यानी "ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश" कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने "री-अश्योरेंस सिग्नल" माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी

तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि ''आपत्तिजनक'' या ''भ्रामक'' सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं। वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा। आगामी ई-समिट और भारत के 'इंडिया एआई मिशन' के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो।

यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है।

संक्षिप्त खबरें

शहर में बढ़ती जाम की समस्या के निजात हेतु बैठक

संवाददाता

बेगुसरायः जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री के निदेर्शानुसार शहर में बढ़ती जाम की समस्या एवं अतिक्रमण की स्थिति की समीक्षा को लेकर नगर आयुक्त, नगर निगम श्री सोमेश बहादुर माथुर के कार्यालय प्रकोष्ठ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना, मुख्य सड़कों एवं चौक-चौराहों से अतिक्रमण हटाना तथा आमजन को राहत प्रदान करना रहा। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय, पुलिस उपाधीक्षक ट्रैफिक सहित संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी पदाधिकारियों ने शहर के प्रमुख जाम-प्रभावित क्षेत्रों, अवैध पार्किंग, सड़क किनारे लगाए गए अस्थायी दुकानों तथा यातायात नियमों के अनुपालन की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि चिन्हित अतिक्रमण स्थलों पर नियमित अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए, नो-पार्किंग क्षेत्रों में सख्ती से कार्रवाई की जाए तथा यातायात पुलिस द्वारा पीक आवर में अतिरिक्त बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के निर्धारित स्टॉपेज का पालन, ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन के लिए व्यवस्थित रूट निर्धारण तथा जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया गया। नगर निगम को की टीम को निर्देशित किया गया कि सड़क किनारे अस्थायी अतिक्रमण पर निरंतर निगरानी रखी जाए तथा पुनः अतिक्रमण करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ नियमित समीक्षा करते हुए शीघ्र प्रभावी सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि शहरवासियों को जाम एवं अव्यवस्था से राहत मिल सके।

फार्मर रजिस्ट्रेशन महाभियान की रफ्तार धीमी, किसानों की बढ़ी परेशानी

संवाददाता

गयाजी परैयाः प्रखण्ड में चल रहे फार्मर रजिस्ट्रेशन महाभियान की रफ्तार धीमी नजर आ रही है। गुरुवार तक प्रखंड में मात्र 4041 किसानों का ही रजिस्ट्रेशन हो पाया है, जो कुल किसानों का लगभग 27 प्रतिशत बताया जा रहा है। अंचलाधिकारी केशव किशोर ने बताया कि प्रखंड में कुल 14926 लाभार्थी किसान हैं, जिनका फार्मर रजिस्ट्रेशन किया जाना है। प्रशासन द्वारा लगातार अभियान चलाकर किसानों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है। वहीं कई किसानों ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उन्होंने करीब दो माह पहले परिमार्जन कराकर अपने प्लॉट का विवरण चढ़ाया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक उनका फार्मर रजिस्ट्रेशन नहीं बन पाया है। किसानों का कहना है कि इस समस्या को लेकर वे कई बार अंचल कार्यालय का चक्कर लगा चुके हैं, फिर भी अब तक सुधार नहीं हो सका है।किसानों ने प्रशासन से जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है, ताकि वे सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकें।

जिला सन्तमत सत्संग का 37 वा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता

बेगुसरायः धर्ममूलं गुरोर्मूर्तिः कर्ममूलं गुरोः पदम्। सत्य मूलं गुरोर्वाक्यं शान्ति मूलं गुरोः कृपा ॥अपार हर्ष हो रहा है कि बेगूसराय जिला सन्तमत सत्संग का 37वाँ वार्षिक अधिवेशन ग्राम-गोधना, तेघड़ा बाजार से पश्चिम एन एच के बगल में स्कूल के पास में दिनांक 14 एवं 15 फरवरी 2026 ई० को होने जा रहा है। इस परम पावन अवसर पर 20वीं सदी के महान संत सदुरू महर्षि मँहीं परम हंस जी महाराज के परम प्रिय शिष्य संतमत के वर्त्तमान आचार्य पूज्यपाद महर्षि हरिनन्दन परमहंस जी महाराज तथा अन्य साधु-महात्माओं एवं विद्वानों के प्रवचन होंगे। अतएव सभी धर्मावलम्बियों से सादर निवेदन है कि इस वार्षिक अधिवेशन में सम्मिलित होकर संत-महात्माओं के दर्शन एवं प्रवचन से लाभ उठाएँ।

कार्यक्रम प्रातः 6:30 बजे से एवं अपराह्न 2 बजे से भजन कीर्त्तन स्तुति-प्रार्थना, ग्रंथ पाठ एवं प्रवचन।

संयोजक सीता देवी शिक्षिका

दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष रामनन्दन सिंह संजीव गुप्ता, संरक्षक व्यवस्थापक रमेश कुमार रामुका

जिला मंत्री गजेन्द्र प्र. पोद्दार

अध्यक्ष प्रो. ब्रजकिशोर शर्मा

उपव्यवस्थापक :

ओम प्रकाश गुप्ता, अवधेश वर्मा, विभूति भूषण सिंह, श्रवण महतो, तुषार कुमार आदि कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जनसम्पर्क अभियान चला रहे है।

दरभंगा सीतामढ़ी रेलखंड पर दोहरीकरण का कार्य जल्द होगा प्रारंभ, दरभंगा से सीतामढ़ी रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए 518 करोड़ की राशि निर्गत, निर्माण कार्य जल्द होगी शुरू : डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता

दरभंगा। केंद्र की मोदी सरकार ने मिथिला क्षेत्र को ऐतिहासिक सौगात मिले हैं दरभंगा- सीतामढ़ी रेल लाईन दोहरीकरण के लिए 518.22 करोड़ रुपए की निविदा जारी होना इसका ज्वलंत उदाहरण है। दरभंगा सांसद सह रेलवे स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डा गोपाल जी ठाकुर ने रेलवे मंत्रालय के इस पहल को मिथिला व माता जानकी के सम्मान के लिए इसे मोदी सरकार की ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल के दरभंगा और सीतामढ़ी के बीच रेल लाईन दोहरीकरण फॉर्मेशन अर्थात मिट्टी का काम और कंबलिंग, बड़े तथा छोटे पुल रिटेनिंग वॉल, तथा अन्य दूसरे सिविल कार्य जैसे गेट लॉज, गुड्स व्हार्फ, सर्विस बिल्डिंग, पैसेंजर प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेड, सकुर्लेटिंग एरिया, रोड का काम, फुट ओवर ब्रिज, यूटिलिटी शिफ्टिंग वगैरह के कंस्ट्रक्शन के लिए 518.22 करोड़ रुपए की निविदा जारी की गई जो आने वाले समय में मिथिला क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा। दरभंगा सीतामढ़ी रेल लाइन दोहरीकरण की हुई पहल की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा लगभग 63 किलोमीटर लंबाई में बनने वाले इस रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए 518 करोड़ 22 लाख 30 हजार 7 सौ 22 रुपए की निविदा जारी होना इस बात को साबित करता है दरभंगा ही नहीं वरन सम्पूर्ण मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए केंद्र की एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है।

केंद्र सरकार की इस पहल को साढ़े आठ करोड़ मिथिलावासियों का सम्मान बताते हुए कहा हजारों वर्षों के बाद मोदी सरकार ने ही अयोध्या में प्रभु श्री राम को मंदिर में स्थापित किया तथा सीतामढी में माता जानकी के मंदिर निर्माण के लिए ऐतिहासिक पहल शुरू किया। उन्होंने इस रेल लाइन के दोहरीकरण को आने वाले समय के लिए दूरगामी पहल बताते हुए कहा कि मिथिला, कोशी, सीमांचल से नरकटियागंज होकर गोरखपुर जाने वाले ट्रेन के लिए यह एक प्रमुख वैकल्पिक रेल मार्ग के रूप में उपयोगी साबित होगा।

ईरमी जमालपुर भारतीय रेल की है आन बान शान

▶ रायबरेली एवं कपूरथला के महाप्रबंधक ने ईरमी के दो दिवसीय समारोह का किया उदघाटन ▶ समारोह में आकर्षण का केंद्र रहे कई जोन के आए रेल अधिकार ▶ कोच बनाने मामले में जमालपुर कारखाना भविष्य में अवसर को दे सकता है मूर्त रूप ▶ भारतीय रेल की आत्मा ईरमी की स्वर्णिम युग के तरफ एक और कदम

संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। भारतीय रेल को कई दशकों से तकनीकी दक्षता प्रदान करने वाली संस्थाएं ईरमी एक बार फिर भारतीय रेल मे अपनी स्वर्णिम युग के शुभारंभ करने के लिए एक नई उड़ान भरने के लिए तैयार है। जिसकी पटकथा ईरमी के 99 बर्षगाठ पर आयोजित महोत्सव में लिखी गई है। जिसका उदघाटन अतिथि रेल महाप्रबंधक चेन्नई यू सुब्बाराव, रेल महाप्रबंधक रायबरेली एवं कपूरथला के प्रशांत कुमार मिश्रा, ईस्टर्न रेलवे के पीसीएमई परमानंद शर्मा, महानिदेशक अनिमेष कुमार सिन्हा सहित कई अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह के पहले दिन जहां दोनों महाप्रबंधक ने विश्व की सबसे लग्जरियस एवं आरामदायक कोच बनाने का काम कम खर्चे में कैसे रायबरेली कपूरथला एवं चेन्नई के कारखाना में किया जा रहा है, उसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिए। रेल हित कर्मचारी हित यात्री हित के साथ देश हित के लिए भारतीय रेल में किया जा रहे कार्यों की बखान करते हुए दोनों महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि आने वाले दोनों में हम बुलेट ट्रेन जैसे स्पीड को भारत में बरकरार करने जा रहे हैं। जिसमें इरिमी जमालपुर की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। समारोह के दूसरे सेशन में देश-विदेश के जाने माने कंपनियों के प्रबंधक सीईओ वर्चुअल मीटिंग से जुड़कर अपने लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, तकनीकी, प्रौद्योगिकी क्षमता को प्रदर्शित करते हुए भारतीय रेल को एक अच्छे मुकाम पर ले जाने के लिए एक से बढ़कर एक टिप्स दिए। भारत के साथ ही अस्ट्रीया स्वीटजरलैंड के सीईओ सीआईओ जीएम शामिल हो बडे. उधोग, कृत्रिम वुद्धिमता विषय पर अपनी विचार रखेगे ईरमी के महानिदेशक अनिमेष कुमार सिन्हा के मजबूत नेतृत्व में जिस तरह से जमालपुर कारखाना और भारतीय रेल को नवजीवन देने की पहल कर रहा है। निश्चित रूप से यह भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। समारोह में पीसीएमई अतुल प्रियदर्शी,पीसीएमई अनिल द्विवेदी, पूर्व जीएम संजीव किशोर, रेलवे बोर्ड के आर के मंगला,पीसीएमई एमके पोद्दार, डीआरएम हावड़ा विशाल कपूर, डीआरएम मालदा मनीष गुप्ता, डीआरएम उदय सिंह मीणा, पूर्व आईआरएसएमई ऋतुराज वर्मा,डीन प्रेम प्रकाश, सीनियर प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद,सीडब्ल्यूएम विनय प्रसाद वर्णवाल,डिप्टी डीजी पर्सनजीत कुमार, प्रोफेसर प्रोजेक्ट मो.अय्यूब खान,प्रोफेसर एडमिन पंकज कुमार,प्रोफेसर सुसरन तिरु,प्रोफेसर सिद्धार्थ शंकर, डिप्टी तरुण कुमार सहित कई अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

मोहड़ा में 4.23 करोड़ का वितरण

923 जीविका दीदियों को मिला स्वरोजगार का संबल

संवाददाता

गयाजी मोहड़ाः मोहड़ा प्रखंड में 12 एवं 13 फरवरी को जीविका दीदियों के बीच राशि वितरण अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रखंड परियोजना प्रबंधक अविनाश कुमार के नेतृत्व में कुल 923 सदस्यों को विभिन्न शाखाओं के माध्यम से 4.23 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई। सेवतर शाखा में 2.12 करोड़, जेठियन में 1.22 करोड़, शहजादपुर में 78 लाख तथा टेटारू में 11 लाख रुपये का वितरण किया गया। इस अवसर पर सेवतर शाखा प्रबंधक जयशंकर प्रसाद, सहायक प्रबंधक प्रिंस कुमार, जीविका की वित्तीय समावेश प्रतिनिधि दीपमाला कुमारी एवं वीणा कुमारी मौजूद रहीं। प्राप्त राशि से महिलाएं मुख्य रूप से बकरी व भैंस पालन,सूअर पालन एवं छोटी दुकान खोलने तथा अपने वर्तमान व्यवसाय के विस्तार की दिशा में निवेश करेंगी। अत्यंत पिछड़े माने जाने वाले इस क्षेत्र में यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में मोहड़ा क्षेत्र आत्मनिर्भरता और आर्थिक समृद्धि की नई गाथा लिखेगा।

जिला प्रशासन छात्राओं को अच्छी शिक्षा और प्रोत्साहन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कर रही काम : अभिलाषा शर्मा

संवाददाता

औरंगाबाद : ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर नगर भवन, औरंगाबाद में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद श्रीमती अभिलाषा शर्मा (भा०प्र०से०) के द्वारा अवलोकन किया गया। उक्त कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी सोच को प्रोत्साहित करना, उनकी रचनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करना तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना था।

इस अवसर पर जिले के कुल 17 सरकारी विद्यालयों की छात्राओं द्वारा कुल 24 प्रकार के विज्ञान प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर अपने-अपने मॉडल एवं प्रोजेक्ट के माध्यम से नवाचारपूर्ण विचारों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में स्पीड ब्रेकिंग विद वायरलेस चार्जिंग, ऑटोमेटिक वॉटर डिस्पेंसर, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ऑटोमेटिक स्ट्रीट लाइट, भूकंप अलार्म, पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल, मोबाइल कंट्रोलिंग कार, ड्राइविंग अलार्म, कार्बन प्यूरिफायर सहित अन्य विज्ञान आधारित मॉडल प्रस्तुत किए गए।

जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा सभी स्टॉल का क्रमवार एवं सूक्ष्म रूप से अवलोकन किया गया तथा छात्राओं से उनके द्वारा निर्मित मॉडल की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं समाजोपयोगी उद्देश्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। अवलोकन के उपरांत प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं/मॉडल को प्रथम रैंक मोबाइल कंट्रोलिंग कार, द्वितीय रैंक ड्राइविंग अलार्म एवं तृतीय रैंक कार्बन प्यूरिफायर के रूप में चयनित करते हुए ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, विज्ञान प्रदर्शनी में सहभागिता करने वाली सभी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला पदाधिकारी महोदया ने कहा की राष्ट्रीय महिला दिवस मौके पर सभी छात्राओं ने बहुत अच्छा प्रदर्शन लगायाहै। उन्होंने छात्राओं द्वारा लगाई गई साइंस आधारित प्रदर्शनी की तारीफ की और कहा कि यह देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा छात्राओं के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। जिला पदाधिकारी महोदया ने बताया कि वे भी पहले इंजीनियर रह चुकी हैं, इसलिए विज्ञान से उनका भी जुड़ाव रहा है। उन्होंने प्रदर्शनी लगाने वाली सभी छात्राओं की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है, नेतृत्व करने की क्षमता आती है और नई चीजें सीखने व बनाने की प्रेरणा मिलती है। ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' अभियान के तहत जिला प्रशासन छात्राओं को अच्छी शिक्षा और प्रोत्साहन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' अंतर्गत मिनी मैराथन का आयोजन

बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरुद्ध छात्राओं ने दिया जागरूकता का संदेश

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निदेशानुसार ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर जिले में बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्त बनाने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने हेतु मिनी मैराथन/वॉकथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डीपीओ, आईसीडीएस श्रीमती विनीता कुमारी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महाराणा प्रताप चौक से समाहरणालय परिसर तक पैदल मार्च/वॉकथॉन में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा हाथों में तख्तियाँ लेकर समाज को जागरूक करने वाले प्रेरक नारे लगाए गए। छात्राओं ने— ''सशक्त महिला, सशक्त बिहार'', ''हिंसा सहेंगे नहीं, चुप्पी तोड़ेंगे'', ''आओ मिलकर बढ़ाये कदम, दहेज ना लेंगे ठान ले हम'', ''बिटिया मेरी अभी पढ़ेगी, दहेज के सूली पर नहीं चढ़ेगी'', ''बेटी कुदरत का उपहार, अब ना करो उसका तिरस्कार'', ''आओ सब मिलकर बात करें, बंद हो दहेज शुरूआत करें'', ''बेटी पढ़ना फर्ज है, बेटी में क्या हर्ज है'' जैसे संदेशों के माध्यम से दहेज प्रथा, बाल विवाह एवं महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध जनमानस को जागरूक किया। रैली के समाहरणालय परिसर पहुंचने के उपरांत डीपीओ, आईसीडीएस द्वारा सभी छात्राओं को बाल

विवाह मुक्त अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से बाल विवाह को रोकने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने, दहेज जैसी कुप्रथा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, बालिका शिक्षा, बाल विवाह उन्मूलन तथा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जन-जागरूकता को और अधिक मजबूत करना रहा। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी श्री कुमार पप्पू राज, जिला मिशन समन्वयक श्री मिथिलेश कुमार, विभिन्न विद्यालयों की छात्राएँ, महिलाओं एवं अन्य प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी रही।

लहरिया सराय रामनगर में दरभंगा नर्सिंग होम के झोलाछाप डॉक्टरों ने लिया 7 साल के बच्चों की जान

▶ घटना होने के बाद झोलाछाप डॉक्टर सहित दरभंगा नर्सिंग होम के व्यवस्थापक भी हुए फरार ▶ मृतक बच्चों के परिजनों ने प्रशासन से लगा रहे हैं न्याय की गोहार

संवाददाता

हायाघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बहेरी प्रखंड के सिरूवा गांव निवासी विशाल पासवान के 7 वर्षीय पुत्र देवानंद कुमार पासवान की हर्निया ऑपरेशन के दौरान मौत हो जाने से क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। परिजनों का आरोप है कि रामनगर स्थित दरभंगा नर्सिंग होम में फर्जी डॉक्टर मनीष दिव्या एवं उनकी फर्जी डॉक्टर बहन सोनी द्वारा ऑपरेशन किया गया, जिसके दौरान ही मासूम की मौत हो गई।

परिजनों ने बताया कि ऑपरेशन के लिए बच्चे को रामनगर स्थित दरभंगा नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही और कथित रूप से अयोग्य (फर्जी) चिकित्सकों द्वारा की गई सर्जरी के कारण देवानंद की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वही फर्जी डॉक्टर सहित सभी स्टाफ फरार हो गए: स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त नर्सिंग होम में लंबे समय से अवैध रूप से इलाज किया जा रहा था। पूर्व में भी फर्जी डॉक्टरों द्वारा गलत इलाज एवं मरीजों के शोषण-दोहन की शिकायतें की गई थीं। इस संबंध में सिविल सर्जन कार्यालय, दरभंगा को भी सूचना दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से फर्जी चिकित्सकों के हौसले बुलंद रहे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के कारण ऐसे फर्जी डॉक्टर खुलेआम मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर फर्जी डॉक्टरों की गिरफ्तारी, नर्सिंग होम को सील करने तथा पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी जांच के बाद कार्रवाई की मांग उठ रही है।

सी.एम. कॉलेज में चार वर्षीय बी.ए., बी.एड., बी.कॉम., बी.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू

संवादेदाता

दरभंगा। बिहार राज्य और विशेषकर उत्तर बिहार के मिथिलाचल के उन छात्रों के लिए खुशखबरी है जिन्होंने इंटरमीडिएट या समकक्ष डिग्री प्राप्त कर ली है। दरभंगा स्थित स्थानीय सीएम कॉलेज में चार वर्षीय बी.ए., बी.एड., बी.कॉम और बी.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश सत्र 2026-27 से शुरू होगा। पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा देनी होगी। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। छात्र आवेदन करने के लिए निम्न लिंक का उपयोग कर सकते हैं: https://exams.nta. nic.in/ncet। गौरतलब है कि मिथिलांचल में यह पहला कॉलेज है जहां चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के साथ बी.एड. की डिग्री भी प्रदान की जाएगी।

यह पाठ्यक्रम इस मायने में बहुत उपयोगी है कि छात्रों को बी.ए., बी.कॉम. के बाद दोबारा बी.एड. नहीं करना पड़ेगा और वे स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति में भी भाग ले सकेंगे। इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्रों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। यदि इच्छुक छात्र और अभिभावक इस संबंध में और अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, तो कॉलेज से संपर्क किया जा सकता है।

ग्रामीण श्रमिक का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

संवाददाता

बेगुसरायः श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बेगूसराय के तत्वावधान में आज संयुक्त श्रम भवन परिसर में ग्रामीण श्रमिकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, श्रम कानूनों तथा सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों के प्रति जागरूक कर उन्हें सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ उप श्रमायुक्त (बेगूसराय), विभिन्न प्रखंडों के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों तथा उपस्थित श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिविर में जिले की सभी पंचायतों से चयनित एक-एक प्रतिनिधि श्रमिक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे कार्यक्रम की व्यापकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हुई। प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्रम अधीक्षक एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न अधिनियमों, योजनाओं तथा पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा, बीमा, प्रवासी श्रमिक सहायता और अन्य जन-कल्याणकारी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर में प्रशिक्षित श्रमिकों से अपेक्षा की गई कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में लौटकर अन्य श्रमिकों को भी इन योजनाओं की जानकारी दें और अधिकाधिक पंजीकरण एवं लाभ सुनिश्चित करने में सहयोग करें। इससे ग्रामीण स्तर पर जागरूकता बढ़ेगी तथा श्रमिक समुदाय का समग्र सशक्तिकरण संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के अंत में उप श्रमायुक्त, बेगूसराय द्वारा सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं प्रतिभागी श्रमिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिविर के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया गया और औपचारिक रूप से कार्यक्रम का समापन किया गया।

मनोपुर मुशहरी पुलिया निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप

संवाददाता

भगवानपुर/ बेगूसरायः भगवानपुर प्रखंड क्षेत्र के मोख्तियारपुर पंचायत अंतर्गत स्थित मालती पिपराझदलसिंहसराय पथ पर स्थित मानोपुर मुशहरी पुलिया के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पुलिया निर्माण में इस्तेमाल की जा रही बालू में भारी मात्रा में मिट्टी मिली हुई है।

इसके अलावा निर्माण में प्रयुक्त गिट्टी में भी कोयला मिश्रित होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री के प्रयोग से पुलिया की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन लोगों को आशंका है कि यदि समय रहते जांच नहीं कराई गई तो भविष्य में बड़ी दुर्घटना हो सकती है। मामले को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने उक्त निर्माण कार्य को रोकते हुए इसकी जांच की मांग की है।

निर्माण स्थल पर राजकिशोर चौधरी उर्फ गुड्डू, मुकेश चौधरी, टूनटून चौधरी, बैधनाथ पासवान, विशाल कुमार, रंजन कुमार, रामकुमार चौधरी, पप्पू साह, सुबोध पासवान, बसंत साह, गणेश सदा और महेश्वर पासवान सहित अन्य ग्रामीणों ने पहुंचकर संयुक्त रूप से विरोध जताया है।

व्यापारियों के हित में कार्य कर रही है ग्लोबल मैन्युफैक्चर्स एंड ट्रेडर्स फाऊंडेशन : सुशील श्रीवास्तव!

संवाददाता

व्यापारियों के हित में कार्य कर रही संस्था ग्लोबल मैन्युफैक्चर्स एंड ट्रेडर्स फाऊंडेशन के राष्ट्रीय महामंत्री वरिष्ठ पत्रकार सुशील श्रीवास्तव ने बताया व्यापारी छोटा हो या बड़ा दोनों एक सामान्य है, कड़ी मेहनत के बाद अपना उद्योग चलाते हैं, अपना पेट पालते है और अपने सहकर्मियों का भी पेट पालते हैं ! व्यापारियों द्वारा अपने सहकर्मियों को रोजगार देना बहुत बड़ा धर्म है और हमलोग वैसे व्यापारियों के खुशी के लिए उनका सहयोग और सम्मान करते हैं! व्यापारी वर्ग के समक्ष जितनी अड़चनें और उलझने है संभवतः उतनी किसी अन्य के पास नहीं, कोई भी कारोबार छोटा हो या बड़ा

मुनाफे से ज्यादा खर्च पहले नजर आता है ! व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार और सरकारी विभागों के अधिकारियों के बीच द्विपक्षीय समझौतों को अंजाम देने हेतु हमारी संस्था ग्लोबल मैन्युफैक्चर्स एंड ट्रेडर्स फाऊंडेशन काफी सजग है और व्यापारियों के आत्मसम्मान के लिए एक कामयाब लड़ाई भी लड़ रही है! हमारी संस्था ग्लोबल मैन्युफैक्चर्स एंड ट्रेडर्स फाऊंडेशन पूरे देश में एंटरप्रेन्योर्स एवं संघर्षरत व्यापारियों के सम्मान हेतु बिजनेस अचीवर्स अवॉर्ड समारोह भी आयोजित करती है जिसमें शामिल होकर एवं सम्मानित होकर एंटरप्रेन्योर्स एवं संघर्षरत व्यापारियों को खुशी मिलती है!

संक्षिप्त खबरें

पुलिस टीम द्वारा छापेमारी की गई

संवाददाता

बाढ़ अनुमंडल से एक बड़ी कार्रवाई की खबर सामने आई है. दिनांक 13.02.2026 को बाढ़ अनुमंडल के पंचमहला थाना क्षेत्र में आसूचना संकलन के आधार पर पुलिस टीम द्वारा छापेमारी की गई। इस दौरान न्यायालय द्वारा निर्गत गैर-जमानती वारंट के आलोक में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों को विधि-सम्मत कार्रवाई के तहत न्यायिक प्रक्रिया के लिए अग्रसारित किया जा रहा है। पंचमहला थाना पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध एवं वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

खुसरूपुर रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा

संवाददाता

पटना जिले के खुसरूपुर रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की रात दर्दनाक हादसा हो गया। दसवीं कक्षा के छात्र गोपाल कुमार की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गोपाल कुमार, पिता ललित कुमार, थाना तेलमर क्षेत्र के निवासी थे और खुसरूपुर में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुरुवार देर रात अनन्या एक्सप्रेस की चपेट में आने से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोपाल कुमार दसवीं कक्षा के छात्र थे और 17 फरवरी से शुरू होने वाली केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा देने वाले थे। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। शव का पोस्टमार्टम बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की विशेष समिति का अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया

संवाददाता

पटना: बहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय पटना में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की विशेष समिति का अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विशेष समिति के अध्यक्ष तनवीर अंसारी ने की। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 17 फरवरी को बापू सभागार पटना में आयोजित राष्ट्रीय जनता दल द्वारा भारत रत्न स्व. कपूरी ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि का एक भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने निर्णय लिया गया कि स्व. कपूरी ठाकुर की पुण्यतिथि को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रकोष्ठ के साथी प्रदेश कार्यालय से सुबह 10:30 बजे काफिला के साथ रवाना होंगे।

इस बैठक में राष्ट्रीय प्रधान महासचिव डॉ. सैयद मोहीबुल हसन हीरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. आयशा फातिमा, राष्ट्रीय महासचिव जफर अहसन उर्फ भाई आरिफ, महासचिव आरिफ हुसैन, सरदार रंजीत सिंह, पप्पू पासवान, कौसर खान, शाहिद जमाल, मो. जाकिर अहमद, मो. फारूक आजम उर्फ ललन, गुलाम रब्बानी एवं दरभंगा प्रमण्डल प्रभारी सह प्रदेष महासचिव फैयाज आलम कमाल आदि लोग मौजूद थे।

अपहरण के बाद हत्या मामले में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

बाढ़ अनुमंडल के बेलछी थाना काण्ड सं०-1337/25 में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अप्राथमिकी अभियुक्त मनोज कुमार (उम्र करीब 24 वर्ष), पिता- मसुदन पासवान, निवासी- बेढना, थाना बाढ़, जिला पटना को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह मामला दिनांक 09.07.2025 को बेलछी थाना में धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज किया गया था। वादी रौशन कुमार (पिता- राम विलाश केवट), निवासी- एकडंगा, थाना बेलछी, जिला पटना ने अपने छोटे भाई राहुल कुमार के अपहरण की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। अनुसंधान के क्रम में 12.07.2025 को बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढना पुल के पास मुख्य सड़क किनारे एक शव बरामद हुआ। वादी द्वारा शव की पहचान राहुल कुमार के रूप में की गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बेलछी थाना क्षेत्र के एकडंगा निवासी बॉबी कुमार (पिताझ सूबेलाल पासवान) को 07.07.2025 की रात्रि करीब 10:00 बजे बेढना रेलवे फाटक की ओर जाते हुए देखा गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि उसने मनोज कुमार एवं एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर राहुल कुमार की हत्या की। बॉबी कुमार वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। आज दिनांक 13.02.2026 को तकनीकी सहयोग के आधार पर अप्राथमिकी अभियुक्त मनोज कुमार को ग्राम धनुकी, थाना मानपुर, जिला नवादा से सुबह करीब 04:30 बजे गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

कांग्रेस के समर्पित सिपाही नजमुल होद्दा अंसारी के निधन से संगठन को अपूरणीय क्षति : राजेश राम

संवाददाता

पटना: जहानाबाद नगर कांग्रेस सह जहानाबाद नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नजमुल होद्दा अंसारी के आकस्मिक निधन पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि नजमुल होद्दा अंसारी आजीवन कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने, अल्पसंख्यक समाज की आवाज बुलंद करने तथा जहानाबाद नगर में पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि नजमुल होद्दा अंसारी का निधन न केवल कांग्रेस परिवार के लिए, बल्कि पूरे जहानाबाद जिले के लिए अपूरणीय क्षति है।

उनका सादगीपूर्ण जीवन, संघर्षशील व्यक्तित्व और संगठन के प्रति निष्ठा सदैव कार्यकताओं को प्रेरित करता रहेगा। राजेश राम ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

जिलाधिकारी ने किए आवेदनों पर सुनवाई

संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी, कौशल कुमार अपने कार्यालय कक्ष में आम जनों की समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बताया आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के उद्देश्य से प्रत्येक सप्ताह के दो कार्य दिवस—सोमवार एवं शुक्रवार को थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला एवं प्रमंडल स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने निर्धारित कार्यालय कक्ष में उपस्थित रहकर आमजनों की शिकायतों की सुनवाई करते हैं। उनके समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। आयोजित जनसुनवाई के दौरान तीन दर्जनसे अधिक आवेदनों पर सुनवाई की गई।

प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, आधार कार्ड निर्माण, पहुंच पथ (सड़क मार्ग) से संबंधित समस्याएं एवं अन्य जनहित से जुड़े विषय शामिल रहा। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को मामलों के शीघ्र, पारदर्शी, विधिसम्मत निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय महिला दिवस पर 253 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान

755 चयनित महिलाओं को सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि डीबीटी से हस्तांतरित

संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार द्वारा दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान, पटना में नियुक्ति पत्र वितरण एवं लाभ हस्तांतरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान कुल 253 नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार, बन्दना प्रेयषी उपस्थित रहीं। उनके करकमलों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया तथा आइी१ उंश्री मार्गदर्शिका एवं कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर महिला सम्मान एवं सुरक्षा के प्रति सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। साथ ही, सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि योजना के अंतर्गत 71वीं बीपीएससी हेतु चयनित 755 महिला अभ्यर्थियों के बैंक खातों में 3, 77, 50, 000 की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। नियोजन विवरण के अनुसार राज्य बाल संरक्षण समिति, समाज कल्याण विभाग, पटना अंतर्गत विभिन्न पदों पर 106 अभ्यर्थियों तथा महिला एवं बाल विकास निगम अंतर्गत 147 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इनमें केस वर्कर, ओएससी काउंसलर, ओएससी पैरा लीगल, ओएससी पैरा मेडिकल एवं ओएससी डीईओ सहित विभिन्न पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत परिपक्वता प्राप्त बॉण्ड की राशि के भुगतान प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए 11 कन्या लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में राशि हस्तांतरण का प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना की राशि हस्तांतरित करने का प्रमाणपत्र दिया गया। इसके संबंध में बताया गया कि बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने, लिंगानुपात में सुधार तथा कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के उद्देश्य से प्रारंभ इस योजना के तहत बीपीएल परिवार की 0-3 वर्ष आयु वर्ग की कन्याओं के नाम यूटीआई बॉण्ड निर्गत किए गए थे। अब 18 वर्ष पूर्ण करने वाली लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से परिपक्वता राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा रही है। वन स्टॉप सेंटर योजना के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों को भी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। राज्य के सभी जिलों में संचालित 39 वन स्टॉप सेंटरों के अतिरिक्त 26 नए केंद्रों के संचालन हेतु कुल 143 कर्मियों का नियोजन किया गया है। इनमें केंद्र प्रशासक, केस वर्कर, मनोसामाजिक परामर्शदाता, आईटी स्टाफ, पैरा मेडिकल कर्मी, कार्यालय सहायक एवं अन्य सहायक पद शामिल हैं। योजना के अंतर्गत अब तक हजारों पीड़ित महिलाओं को मनोसामाजिक परामर्श, विधिक सहायता, चिकित्सकीय सहयोग, पुलिस सहायता एवं अस्थायी आश्रय की सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

राज्य संरक्षण समिति के अंतर्गत संविदा आधारित पदों पर औपबंधिक रूप से चयनित अभ्यर्थियों का पदवार विवरण इस प्रकार है— कार्यक्रम प्रबंधक-1, कार्यक्रम पदाधिकारी (ट्रेनिंग)-1, लीगल कम प्रोवेशन पदाधिकारी-4, काउंसलर डीसीपीयू-8, डेटा एनालिस्ट-4, सामाजिक कार्यकर्ता-7, आउटरीच वर्कर-16, प्रोवेशन पदाधिकारी/केस वर्कर/बाल कल्याण पदाधिकारी (सीसीआई)-13, काउंसलर (सीसीआई)-14, गृहपति/गृहमाता-15, पैरामेडिकल स्टाफ (सीसीआई)-20, नर्स-2 तथा फिजियोथेरेपिस्ट-1। अपने संबोधन में सचिव, समाज कल्याण विभाग ने कहा कि यह नियुक्ति एवं लाभ वितरण समारोह केवल रोजगार उपलब्ध कराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि संवेदनशील सेवा तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक जरूरतमंद महिला और बच्चे तक समय पर सहायता, संरक्षण और न्याय सुनिश्चित हो। नव नियुक्त कर्मी जमीनी स्तर पर सेवा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाओं को सहयोग प्रदान किया जाना इस बात का प्रमाण है कि राज्य में प्रतिभाशाली महिलाओं को आगे बढ़ाने हेतु ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में अपर सचिव, समाज कल्याण विभाग; निदेशक, समाज कल्याण निदेशालय; महिला एवं बाल विकास निगम के पदाधिकारी; संयुक्त निदेशक, बाल संरक्षण इकाई; यूटीआई एवं वठकठएऋके प्रतिनिधि सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन कार्यपालक निदेशक, महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा दिया गया तथा अंत में उप सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इसके अतिरिक्त, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के सभी जिलों में जागरूकता, सम्मान एवं लाभ वितरण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

बेउर जेल से रिहा होने के बाद फुलवारी शरीफ पहुंचे सांसद पप्पू यादव, छात्रा मौत मामले में घटनास्थल का किया निरीक्षण

संवाददाता

फुलवारी शरीफ: पटना स्थित बेउर जेल से रिहा होने के बाद पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव सीधे फुलवारी शरीफ पहुंचे. यहां उन्होंने 16 वर्षीय छात्रा की कोचिंग भवन से गिरकर हुई मौत मामले में घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हालचाल जाना.

मीडिया से बातचीत में पप्पू यादव ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी साजिश के तहत की गई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उन्हें आधी रात में गिरफ्तार करवाकर परेशान करने की कोशिश की. हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था और इसी वजह से उन्हें न्याय मिला. सांसद ने छात्रा मौत मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि घटना की निष्पक्ष और गहराई से जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाना चाहिए और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना जरूरी है.

पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि कुछ नेताओं द्वारा उनके खिलाफ साजिश रची गई. उन्होंने कहा कि एक दिल्ली, एक बिहार और एक पूर्णिया के नेता की इसमें भूमिका रही है. उन्होंने खेमका हत्याकांड के कथित एनकाउंटर पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें गलत व्यक्ति को मारा गया है और उन्हें इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है.

उन्होंने कहा कि वह इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक जाएंगे और कानूनी लड़ाई लड़ेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि छात्रा को न्याय दिलाने की लड़ाई को वह रुकने नहीं देंगे. उन्होंने अपने समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि जिन लोगों ने उनका साथ दिया, वह उनके प्रति आभारी हैं. साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें जान से मारने की कोशिश भी की गई थी.

दरभंगा प्रमंडलीय आयुक्त हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई आयोजित

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में आज प्रमंडलीय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाना तथा आमजनों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निवारण सुनिश्चित करना। आयुक्त हिमांशु कुमार राय ने कहा आम लोगों की शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए प्रत्येक सप्ताह के दो कार्य दिवस सोमवार एवं शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालयों में संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने निर्धारित कार्यालय कक्ष में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया जनसुनवाई प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। आज आयोजित जनसुनवाई में आयुक्त महोदय द्वारा 15 आवेदनों पर सुनवाई की गई। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण से संबंधित मामले अन्य जनसमस्याएँ शामिल। आयुक्त ने सभी मामलों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा शीघ्र एवं विधिसम्मत निवारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने यह भी निर्देशित किया जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा मामलों की नियमित समीक्षा की जाए।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया गया साथ ही, आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यालय परिसर में बैठने की समुचित व्यवस्था, शुद्ध पेयजल एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिले सांसद, गोपाल जी ने दरभंगा को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल करने का किया आग्रह

दरभंगा में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को अमल में लाने की हो रही ठोस पहल, दरभंगा शहर के साथ बेनीपुर बिरौल तथा बहेरी में ग्रीन पार्क को शीघ्र मिलेगी मंजूरी : डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता

दरभंगा। शहर में नमामि गंगे योजना अंतर्गत प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को अमल में लाने के लिए ठोस पहल की जा रही है। जिसका शीघ्र ही सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। इसके साथ ही दरभंगा शहर को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल करने तथा केंद्र सरकार की अमृत 2.0 योजना के तहत दरभंगा नगर निगम के साथ साथ बेनीपुर नगर निगम एवं बिरौल तथा बहेरी नगर पंचायत में ग्रीन पार्क की स्वीकृति के लिए केंद्रीय मंत्री को पत्र देकर आग्रह किया गया है। स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा, शहरी विकास एवं आवासन मंत्री, मनोहर लाल खट्टर से संसद भवन स्थित उनके मंत्रालय कक्ष में उनसे भेंट करने के बाद उपरोक्त बातें कही है। मौके पर सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री, खट्टर को अपनी मांगो से संबंधित एक मांगपत्र भी समर्पित किया। मिथिला की संस्कृति और परंपरा के अनुसार पाग एवं अंगवस्त्र से सम्मानित भी किया।

सांसद ने केंद्रीय मंत्री, खट्टर से भेंट के क्रम में इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा दरभंगा शहर का लगातार विस्तार हो रहा है। कमिश्नरी मुख्यालय, शैक्षणिक व स्वास्थ्य हब रहने के कारण यहाँ उचित सिवरेज सिस्टम नहीं होने के कारण लोगों के द्वारा अव्यवस्थित तरीके से जलनिकासी, सैप्टिक टंकी का उपयोग किया जा रहा है जो स्वास्थ्य और स्वच्छता के दृष्टिकोण से बेहद खतरनाक है जिसके निदान के लिए दरभंगा शहर के लिए प्रस्तावित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना कर इन मुद्दों के समाधान के लिए ठोस पहल शुरू करना आवश्यक है। श्री ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री से चर्चा करते हुए कहा कि उचित सिवरेज सिस्टम नहीं रहने के कारण दरभंगा शहर के समग्र विकास में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। व्यवस्थित रूप से सिवरेज सिस्टम के माध्यम से शहरवासियों के सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है जो पर्यावरणीय स्थिरता को भी व्यवस्थित रखने के लिए वरदान साबित हो सकता है। केंद्रीय मंत्री से दरभंगा शहर में नमामि गंगे योजना अंतर्गत प्रस्तावित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को अमल में लाने के लिए यथाशीघ्र पहल करने का आग्रह करते हुए कहा दरभंगा शहर अब कमिश्नरी मुख्यालय होने के साथ साथ स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक वातावरण का केंद्रबिंदु बन चुका है यही कारण है कि अब इस शहर का हर दृष्टि से व्यवस्थित होना शहरवासियों के लिए नितांत आवश्यक है। सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर से दरभंगा शहर को स्मार्ट सिटी में शामिल करने के लिए शीघ्र पहल करने का आग्रह करते हुए कहा कि दरभंगा में निमार्णाधीन एयरपोर्ट, एम्स, दो दो विश्वविद्यालय, डीएमसीएच, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सहित आधा दर्जन से अधिक केंद्र एवं राज्य प्रायोजित योजनाओं के कारण यह शहर अब शैक्षणिक व्यापारिक तथा सांस्कृतिक रूप से उत्तर बिहार का केंद्र बिंदु बन रहा है इसलिए अब इस शहर के सर्वांगीण विकास के लिए स्मार्ट सिटी में शामिल किया जाना आवश्यक है। सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री से अमृत 2.0 योजनांतर्गत दरभंगा नगर निगम के साथ साथ बेनीपुर नगर परिषद तथा बिरौल एवं बहेरी नगर पंचायत में ग्रीन पार्क की स्वीकृति के लिए पहल करने का आग्रह करते हुए कहा कि इसे अमल में लाने से पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में लाभदायक साबित होगा।

परिवहन विभाग की बड़ी उपलब्धि: दो महीनों में चालान संख्या में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी

▸ दिसंबर-जनवरी में 1.48 लाख से अधिक चालान जारी ▸ कुल राशि 90 करोड़ रुपये से ज्यादा ▸ 30 प्रतिशत से अधिक राशि जमा

संवाददाता

पटना: परिवहन विभाग ने यातायात नियमों की सख्ती से दो महीनों (दिसंबर 2025-जनवरी 2026) में पिछले आठ महीनों की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक चालान काटे हैं। साथ ही, इन दो महीनों के चालानों की कुल राशि का 30 प्रतिशत से ज्यादा जमा भी हो चुकी है, जो रिकवरी में तेजी का संकेत है। परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि सतत निगरानी, नियमित समीक्षा और हैंड हेल्ड डिवाइस के प्रभावी उपयोग से यह संभव हुआ। अप्रैल-नवंबर 2025 तक औसतन 43 हजार चालान प्रति माह कट रहे थे, जबकि दिसंबर 2025 से फरवरी अबतक यह बढ़कर 62 हजार प्रति माह हो गए हैं।

विभाग ने अप्रैल 2025 से अब तक कुल 4, 97, 131 चालान जारी किए हैं, जिनकी कुल राशि 301 करोड़ 28 लाख रुपये से अधिक है। इसमें से 115 करोड़ 23 लाख रुपये से ज्यादा जमा हो चुकी है। बीते दो महीनों के चालानों की राशि ही 90 करोड़ 97 लाख रुपये से अधिक है, जिसमें से 28 करोड़ 60 लाख रुपये (करीब 30 प्रतिशत) जमा हो चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि सबसे अधिक चालान भभुआ जिले में काटे गए हैं। यहां 30, 833 चालान काटे गए, जिनकी कुल राशि 12 करोड़ 16 लाख रुपये से अधिक है। इनमें से 10 करोड़ 18 लाख रुपये से ज्यादा की राशि जमा हो चुकी है।

* गोपालगंज: 23, 308 चालान जारी, राशि 8 करोड़ 34 लाख रुपये से अधिक। जमा राशि: 4 करोड़ 84 लाख रुपये से ज्यादा। * गया: 16, 038 चालान, कुल राशि 7 करोड़ 88 लाख रुपये से अधिक। जमा: 4 करोड़ 74 लाख रुपये। * पूर्णिया: 8, 927 चालान, राशि 6 करोड़ 62 लाख रुपये। * नवादा: 9, 063 चालान, राशि 3 करोड़ 84 लाख रुपये से अधिक। जमा राशि: 1 करोड़ 80 लाख रुपये से ज्यादा।

इन चालानों में मुख्य रूप से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन, बिना हेलमेट यात्रा करना, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात संबंधी उल्लंघन शामिल हैं। रियल टाइम चालान के लिए 138 स्थानों पर लगेंगे कैमरे: परिवहन मंत्री ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में राज्य के 138 चिन्हित स्थानों पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम(आईटीएमएस) के तहत कैमरे लगाए जाएंगे।

इसकी मदद से रियल टाइम में ओवर-स्पीडिंग, रेड लाइट जंपिंग, बिना हेलमेट व सीटबेल्ट यात्रा, ट्रिपल राइडिंग, लेन कटिंग, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात उल्लंघनों का ऑटोमेटिक डिटेक्शन और ई-चालान जारी हो सकेगा। जुमार्ना नहीं, यातायात नियमों के पालन के लिए चालान: मंत्री- मंत्री कुमार ने कहा कि चालान जारी करने का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और दुर्घटनाओं की संख्या को कम करना है।

हमारा फोकस लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक और प्रेरित करना है, न कि सिर्फ जुमार्ना वसूलना। उन्होंने आगे कहा कि नियमों का पालन करने से न केवल सड़कों पर सुरक्षा बढ़ती है बल्कि ट्रैफिक जाम, वायु प्रदूषण, ईंधन की बबार्दी और अन्य समस्याओं से भी काफी हद तक निजात मिलती है। मंत्री ने आगे कहा कि हैंड हेल्ड डिवाइस के उपयोग से चालान प्रक्रिया अब पूरी तरह पारदर्शी, तेज और डिजिटल हो गई है। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी खत्म हो जाती है।

17 फरवरी 2026 को जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का पुण्यतिथि समारोह पटना के बापू सभागार में आयोजित किया गया: एजाज अहमद

संवाददाता

पटना: बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि दिनांक 17 फरवरी 2026 को जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि समारोह पटना के बापू सभागार में आयोजित किया गया है। इस पुण्यतिथि समारोह की तैयारी के लिए पटना में प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल जी के द्वारा बैठकों का सिलसिला लगातार जारी है और आवश्यक दिशा निर्देश प्रदेश पदाधिकारियों के साथ साथ विभिन्न प्रकोष्ठों के साथ सभी जिलों में बैठक कर तैयारी में लग जाने का आह्वान किया है।

एजाज ने आगे बताया कि इस अवसर पर पूरे राज्य भर से पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व विधान पार्षद, पूर्व प्रत्याशी के अलावा पंचायत से लेकर जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी सहित सक्रिय कार्यकताओं और कपूर्री जी के विचारों पर चलने वाले सभी लोगों को आमंत्रित किया गया है। इन्होंने ने आगे बताया कि पुण्यतिथि समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद जी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहेंगे। जननायक कपूर्री ठाकुर पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल जी करेंगे। इस अवसर पर जननायक कपूर्री ठाकुर जी के पुण्यतिथि समारोह को सफल बनाने की तैयारी के लिए सभी जिलों के नेताओं और कार्यकताओं को पार्टी की ओर से सूचना प्रेषित की जा रही है और जिला स्तर पर बैठक करके कपूर्री ठाकुर जी की पुण्यतिथि समारोह को सफल बनाने का आह्वान किया जा रहा है।

एलएनएमयू फॉरेंसिक एवं साइबर कौशल विकास केंद्र की होगी स्थापना : प्रो. संजय कुमार चौधरी

संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर कौशल विकास क्षेत्र में उन्नत अध्ययन व प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पहल की गई। एलएनएमयू फॉरेंसिक एवं साइबर कौशल विकास केंद्र की स्थापना के मद्देनजर ग्रेडल अनुसंधान एवं विकास प्राइवेट लिमिटेड तथा टेक्नोटच के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर शुक्रवार को हुआ। कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने शुभकामनाएं अभिव्यक्त करते हुए कहा यह केंद्र ; विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस कदम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी दक्षता मिलेगी जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाएगी। मालूम हो यह केंद्र विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र भवन में संचालित किया जाएगा। केंद्र के सुचारू संचालन, प्रशासनिक देख-रेख, शैक्षणिक समन्वय की जिम्मेदारी भौतिकी विभाग की डॉ. पूजा अग्रवाल को सौंपी गई है। इस समझौते से विद्यार्थियों को फॉरेंसिक विज्ञान, साइबर सुरक्षा, डिजिटल अन्वेषण एवं संबंधित आधुनिक क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा कौशल उन्नयन का अवसर प्राप्त होगा। वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों और डिजिटल तकनीकों के व्यापक उपयोग को देखते हुए यह केंद्र युवाओं को रोजगारोन्मुखी एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

साथ ही, यह पहल शैक्षणिक जगत और उद्योग के बीच समन्वय स्थापित कर अनुसंधान, नवाचार एवं प्रायोगिक ज्ञान को भी बढ़ावा देगा। एमओयू हस्ताक्षर के अवसर पर प्रो विजय यादव, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. जया हैदर, एमओयू नोडल पदाधिकारी डॉ. मनु राज शर्मा, ग्रेडल्स ग्रुप के निदेशक शुभम आदि उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया का 'स्पिन चक्रव्यूह' तैयार, वरुण चक्रवर्ती बोले- हम उन्हें मात देंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के दूसरे ग्रुप चरण के मैच में नामीबिया को 93 रनों से हराने के बाद, भारत रविवार को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अगले मैच की तैयारी में जुट गया है। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भारत की स्पिन गेंदबाजी पर भरोसा जताया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी टीम पड़ोसी देश पाकिस्तान से बेहतर है। जियोहॉटस्टार के 'मैच सेंटर लाइव' पर बोलते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि हमारे पास एक मजबूत स्पिन आक्रमण है और मुझे लगता है कि हम उनसे बेहतर हैं। वे लगातार इन्हीं परिस्थितियों में खेल रहे हैं, इसलिए उन्हें शायद इन परिस्थितियों से परिचित होने का फायदा मिल सकता है। लेकिन एक टीम के रूप में, हमने उन्हें मात दी है और हम पूरी तरह से तैयार हैं।

वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि विश्व कप में जब भी आप किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलते हैं, तो आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना होता है। आपको यह मानना होगा कि आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हैं; तभी आप महत्वपूर्ण क्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन कर पाते हैं। पहले बल्लेबाजी करते हुए, भारत ने ईशान किशन और हार्दिक पांड्या के विस्फोटक अर्धशतकों की बदौलत 209/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया। किशन ने महज 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जबकि पांड्या ने 28 गेंदों में 52 रन बनाए। नामीबिया के कप्तान गेराल्ड इरास्मस ने चार विकेट लेकर अपनी टीम को मैच में बनाए रखा, लेकिन भारत के आक्रामक मध्यक्रम के आक्रमण ने इस विशाल स्कोर को सुनिश्चित कर दिया। नामीबिया ने सकारात्मक शुरूआत करते हुए पावरप्ले के अंत तक 57/1 रन बनाए और कुछ समय के लिए भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया।

हालांकि, स्पिनरों के आने के बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। वरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक गेंदबाजी करते हुए दो ओवरों में 3/7 विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल (2/20) और हार्दिक पांड्या (2/21) ने भी गेंदबाजी में कसी हुई गेंदबाजी का इस्तेमाल किया। अंततः नामीबिया 18.2 ओवरों में 116 रन पर ऑल आउट हो गई, जिससे भारत को एक व्यापक जीत मिली। भारत की शानदार जीत के बाद अपने दृष्टिकोण पर विचार करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुझे अपनी लय वापस पाने का मौका नहीं मिलता।

सुपर लीग विवाद खत्म! रियल मैड्रिड ने यूईएफए से मिलाया हाथ, यूरोपियन फुटबॉल में नया दौर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूरोपीय फुटबॉल में पिछले कुछ वर्षों से चल रहे सुपर लीग विवाद का औपचारिक अध्याय अब बंद होता नजर आ रहा है। बुधवार को रियल मैड्रिड और यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए के बीच हुए समझौते ने इस विभाजनकारी परियोजना के अंत के संकेत दे दिए। यह समझौता ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही बार्सिलोना ने भी सुपर लीग से खुद को अलग कर लिया था, जिससे रियल मैड्रिड और उसके अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज और अधिक अलग-थलग पड़ गए थे। बता दें कि भले ही दो साल से अधिक समय पहले यूरोपीय न्यायालय ने यूईएफए के खिलाफ रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के पक्ष में फैसला दिया था, लेकिन इसके बावजूद कोई भी नया क्लब सार्वजनिक रूप से सुपर लीग से जुड़ने आगे नहीं आया। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस परियोजना के पास आगे बढ़ने का कोई स्पष्ट रास्ता भी नहीं था, जिससे इसका भविष्य पहले से ही अनिश्चित बना हुआ था। रियल मैड्रिड, यूईएफए और यूरोपीय फुटबॉल क्लबों के प्रभावशाली संगठन के बीच जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि कुछ मूल सिद्धांतों पर सहमति बनी है, जो आपसी कानूनी विवादों के समाधान में भी मदद करेंगे। यह घोषणा ब्रसेल्स में यूईएफए की वार्षिक कांग्रेस से ठीक पहले हुई, जहां 55 सदस्य देशों के फुटबॉल संघों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। गौरतलब है कि बयान में बीते कई महीनों से यूरोपीय फुटबॉल के हित में चली बातचीत का जिक्र किया गया है, जिसमें भविष्य में तकनीक के जरिए प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाने को एक अहम सिद्धांत बताया गया है। साल 2021 में रियल मैड्रिड 12 बड़े स्पेनिश, इंग्लिश और इतालवी क्लबों के समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिन्होंने यूईएफए के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अलग सुपर लीग शुरू करने की कोशिश की थी।

हालांकि, इंग्लैंड में प्रशंसकों और सरकार के तीखे विरोध के चलते यह योजना 48 घंटे के भीतर ही बिखर गई थी। उस समय पारंपरिक यूरोपीय फुटबॉल ढांचे की रक्षा के लिए संभावित कानून बनाने की चेतावनी भी दी गई थी, जिसने इस परियोजना को और कमजोर कर दिया था। मौजूदा समझौते को रियल मैड्रिड के लिए यूरोपीय क्लबों के मुख्य समूह में वापसी का रास्ता खोलने वाला कदम माना जा रहा है। बता दें कि सुपर लीग से अलग होने के बाद यह संगठन और मजबूत हुआ है और अब इसके करीब 800 सदस्य क्लब हैं, जबकि केवल रियल मैड्रिड और बार्सिलोना ही इससे बाहर हैं।

साहिबजादा फरहान की टीम इंडिया को ललकार, टी20 वर्ल्ड कप में देंगे टक्कर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुचर्चित मुकाबले से पहले कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि भारत के हालिया दबदबे के बावजूद यह मुकाबला एकतरफा नहीं होगा। भारत ने सभी प्रारूपों में खेले गए पिछले 10 मुकाबलों में से आठ जीते हैं। फरहान का मानना है कि पाकिस्तान ने पहले ही दिखा दिया है कि वे अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दे सकते हैं और उन्हें 15 फरवरी को कोलंबो में एक और जोरदार मुकाबले की उम्मीद है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब कई भारतीय खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाया है कि क्या इस प्रतिद्वंद्विता में अब भी पहले जैसी प्रतिस्पर्धात्मकता बची है। हालांकि, फरहान की राय इससे बिल्कुल अलग है। पिछले साल एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के प्रदर्शन से आत्मविश्वास प्राप्त करते हुए, फरहान ने एकतरफा प्रतिद्वंद्विता की धारणा को खारिज कर दिया। अमेरिका पर पाकिस्तान की जीत के बाद फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने पिछले एशिया कप में जिस तरह से खेला, वह एकतरफा नहीं था। हम अंत तक डटकर खेले और संघर्ष किया। हमने अंत तक एकतरफा मैच नहीं खेला और उम्मीद है कि इस बार भी हम एक शानदार खेल खेलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि फरहान ने बताया कि पाकिस्तान इस मौके पर भावनाओं में बह जाने के बजाय उन्हें काबू में रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आत्मविश्वास बढ़ता है। मैं भी बहुत आत्मविश्वास से भरा हूं और पिछली दो पारियों को देखते हुए मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है। यह एक सामान्य मैच है।

हम इसे सामान्य मैच की तरह ही खेलेंगे। हम यह नहीं सोचेंगे कि यह भारत-पाकिस्तान का मैच है, यह एक सामान्य मैच है और हम इसे सामान्य मैच की तरह ही खेलेंगे। यह दृष्टिकोण आधुनिक टी20 प्रारूपों में अक्सर देखी जाने वाली रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है, जहां टीमें उच्च दबाव वाले मुकाबलों में प्रचार के बजाय स्पष्टता को प्राथमिकता देती हैं।

नामीबिया पर कहर बरपाने के बाद वरुण चक्रवर्ती का खुलासा

पाकिस्तान के खिलाफ बताया अपना 'सीक्रेट प्लान'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में नामीबिया के खिलाफ अपनी फिरकी का जादू चलाने के बाद कहा कि वह अपनी गेंदबाजी में और विविधता लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बिलकुल सटीक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत के 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की टीम एक समय 10वें ओवर में दो विकेट पर 86 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन चक्रवर्ती (दो ओवर में सात रन पर तीन विकेट) ने उसके मध्यक्रम की रीढ़ तोड़ दी और टीम 116 रन पर सिमट गई।

चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता (वेरिएशन) लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बेहतर करने पर अधिक ध्यान दिया है। चक्रवर्ती ने बृहस्पतिवार को यहां नामीबिया के खिलाफ भारत की 93 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैंने अपनी गेंदबाजी के कुछ पहलुओं पर काम किया है जैसे गति, स्पिन और गेंद पर अधिक रोटेशन। लोग वेरिएशन पर भी काम करते हैं लेकिन मैंने अपनी मौजूदा गेंदों को परफेक्ट बनाने पर काम किया जिससे बहुत मदद मिली।''

चक्रवर्ती ने नामीबिया के खिलाफ लंबे फॉलो थ्रू (गेंद फेंकते हुए आगे की ओर जाना) के साथ गेंदबाजी की और इस स्पिनर ने कहा कि अपनी गेंदों की गति बढ़ाने के लिए उन्होंने ऐसा किया। इस लेग स्पिनर ने कहा, ''मैंने अपने फॉलो थ्रू पर काम किया जिससे कि मैं विकेट पर अधिक तेजी से गेंद डाल सकूं। मैंने आज पहली ही गेंद गुगली फेंकी जबकि आम तौर पर मैं अपनी स्टॉक गेंद के साथ शुरूआत करता हूं।'' भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में और फिर नामीबिया के खिलाफ भी बल्लेबाजों की नाकामी का सामना किया लेकिन चक्रवर्ती का मानना है कि द्विपक्षीय श्रृंखलाओं की तुलना में विकेट थोड़े असमान गति वाले हैं जिससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है। चक्रवर्ती ने कहा, ''अगर आप हमारे खेले गए मुकाबलों को देखें तो इस विश्व कप से पहले हुए सभी द्विपक्षीय मैच सपाट पिचों पर थे। यह निश्चित रूप से थोड़ा हैरान करने वाला था। पहले मैच का विकेट भी और यह विकेट भी। लेकिन हमें जो भी विकेट मिलता है हमें उसके हिसाब से खुद को ढालना होगा।'' उन्होंने कहा, ''आज (बृहस्पतिवार को) भी गेंद थोड़ी नीची रह रही थी लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि बहुत अधिक टर्न था, लेकिन गेंद नीची रह रही थी।'' चक्रवर्ती ने साथ ही कहा कि रात के मैच में दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए ओस की भी भूमिका है और पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले भारत के अगले मैच में भी ऐसा देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा, ''ओस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

जब आप दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रहे होते हैं और आपको लक्ष्य का बचाव करना होता है तो कभी-कभी यह एक बड़ा मुद्दा होती है।

क्या पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे अभिषेक शर्मा, खराब तबीयत ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण टी20 विश्व कप ग्रुप मुकाबले में उनके खेलने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पेट के संक्रमण से जुड़ी समस्या से जूझ रहे अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द की शिकायत के बाद दो दिन के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उन्हें बुधवार को दिल्ली के एक अस्पताल से छुट्टी मिल गई। लेकिन बृहस्पतिवार को जब भारतीय टीम ने कोटला मैदान पर अभ्यास किया, तब अभिषेक ने ट्रेनिंग नहीं की क्योंकि वे अब भी थोड़ा कमजोरी महसूस कर रहे हैं।

उनका थोड़ा वजन भी कम हुआ है और पेट के गंभीर संक्रमण की स्थिति में पूरी तरह स्वस्थ होकर शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने लायक ताकत और सहनशक्ति हासिल करने में समय लगता है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संकेत दिया कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उनका खेलना संदिग्ध हो सकता है। उन्होंने कहा, ''अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं।''

समझा जाता है कि कोलंबो में उनका अभ्यास सत्र इस बात का संकेत देगा कि वह किस स्थिति में हैं। यदि वह नेट्स में सामान्य रूप से लंबे समय तक बल्लेबाजी करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र पर नजर डालें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में वह लगभग 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं।

ईशान किशन का नया अवतार!

'मजाक कम, काम ज्यादा' के मंत्र ने टीम इंडिया में पक्की कराई जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे और बाएं हाथ के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उनके व्यक्तित्व में आए अनुशासन और बदलाव ने उन्हें एक बेहतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। अतीत की गलतियों से सीख लेते हुए किशन अब मैदान पर अधिक गंभीर और केंद्रित नजर आ रहे हैं, जिसका फायदा उनके खेल और टीम इंडिया दोनों को मिल रहा है। किशन ने पिछले महीने भारतीय टीम में वापसी के बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने संजू सैमसन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है।

इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने गुरुवार रात नामीबिया के खिलाफ 24 गेंदों में 61 रन बनाए और पावरप्ले में भारत को एक विकेट पर 86 रन तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में खेली गई इस तूफानी पारी के चलते भारत ने टी20 विश्व कप के इतिहास में पावरप्ले में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत की जीत के बाद किशन ने पत्रकारों को बताया कि एक व्यक्ति और क्रिकेटर के रूप में उनमें क्या बदलाव आया है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब वह पहले की तरह मजाक नहीं करते। अतीत में अपने व्यवहार के कारण उन्हें केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा था। किशन ने कहा, ''सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं अब काफी बदल गया हूं। मैं अब पहले की तरह बहुत अधिक मजाक नहीं करता। मुझे चुटकुले और इस तरह की चीज पसंद हैं लेकिन अब मैं हर समय ऐसा नहीं करता हूं और दो तीन घंटे के लिए ही ऐसा करता हूं।'' किशन ने कहा, ''मैं अभी सिर्फ बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ध्यान दे रहा हूं, जिससे टीम और मुझे दोनों को फायदा होगा। बाकी सब चीजें गौण हैं, इसलिए मैं हमेशा मजाक नहीं करता।'' बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बड़े शॉट खेलने में अधिक निरंतरता हासिल कर ली है। गुरुवार को उन्होंने जेडे स्मिट के एक ओवर में चार छक्के जड़े। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके बल्लेबाजी के तरीके में कोई बदलाव आया है जिससे उन्हें अधिक खुलकर बल्लेबाजी करने की छूट मिल रही है, तो किशन ने कहा कि वह कभी-कभी एक दो रन भी लेते हैं। उन्होंने कहा, '' मैं एक दो रन भी लेता हूं और अच्छी गेंदों को पूरा सम्मान भी देता हूं। लेकिन मुझे नहीं पता कि मैंने इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत की है। मैंने जल्दबाजी करने या उत्साहित होकर शॉट खेलने के बजाय इसे सरल रखा।'' किशन ने कहा, ''मैं पिच पर शांत रहने और गेंद पर नजर रखने की कोशिश कर रहा हूं।

मैं उन शॉट को खेलने की कोशिश कर रहा हूं जो मुझे पहले से आते हैं, लेकिन कभी-कभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप उत्साहित हो जाते हैं और ऐसे शॉट खेल देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं सिर्फ अपने उन शॉट को खेलने की कोशिश कर रहा हूं जिनमें मैं माहिर हूं और जो उस खास विकेट पर उपयुक्त हैं। इसलिए मैं बल्लेबाजी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, न ही अतिरिक्त अभ्यास सत्रों में भाग ले रहा हूं, बल्कि गेंद को देखने और विकेट पर शांत रहने की कोशिश कर रहा हूं।

रोमांचक मुकाबले में जीते मनुष-दीया

मिश्रित युगल क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के मानुष शाह और दीया चिताले की शीर्ष मिश्रित युगल जोड़ी तथा युवा खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्जी ने बृहस्पतिवार को यहां डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2026 में अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। हाल में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर मस्कट 2026 का खिताब जीतने वाली मानुष और दीया की जोड़ी को कोरियाई क्वालीफायर खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी।भारतीय जोड़ी ने 42 मिनट में 3-2 (10-12, 11-6, 12-10, 5-11, 12-10) से जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

मनुष और दीया का सामना भारतीय वाइल्ड कार्ड जोड़ी पायस जैन और सिंड्रेला दास से होगा। पायस और सिंड्रेला ने पहले दौर में कजाखस्तान के इस्केंडर खार्की और सर्विनोज मिर्कादिरोवा को 11-8, 11-6, 11-7 से हराया। क्वालीफायर अंकुर ने फ्रांस के फ्लोरियन बुरासो को 3-1 (11-5, 11-8, 3-11, 11-9) से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। दूसरे दौर में उनका सामना जापान के 14वीं वरीयता प्राप्त काजुहिरो योशिमुरा से होगा। अंकुर ने स्वस्तिका घोष के साथ मिलकर मिश्रित युगल क्वार्टरफाइनल में भी जगह बनाई। इस जोड़ी ने कोरिया के पार्क ग्युन और किम नायोंग को 3-2 (11-9, 3-11, 11-8, 6-11, 11-9) से हराया। अब उनका मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े से होगा जिन्होंने रोमानिया के डेरियस मोविलेनू और एंड्रिया ड्रैगोमन को 11-8, 11-4, 11-7 से पराजित किया।

स्नेहित सुरावज्जुला ने 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दिव्यांश श्रीवास्तव को 3-2 (9-11, 11-8, 6-11, 11-7, 11-6) से हराया और अब वह दूसरे दौर में जापान के 13वीं वरीयता प्राप्त मिजुकी ओइकावा से भिड़ेंगे। हरमीत ने भी रोमानिया के इयूलियन चिरिटा को 3-1 (11-8, 12-10, 9-11, 11-8) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। महिला एकल के 'राउंड ऑफ 64' मुकाबले में 15 वर्षीय दिव्यांशी भौमिक ने डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज वडोदरा 2026 की विजेता कोरिया की रयू हन्ना के खिलाफ अच्छा संघर्ष किया, लेकिन 1-3 से हार गईं। बाद में दीया ने अनुषा कुतुंबाले को 3-0 (11-8, 12-10, 11-8) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का अजेय रथ, नामीबिया को हराकर बनाया लगातार 10वीं जीत का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज का मैच 93 रनों से जीतने के बाद, टीम इंडिया पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास में लगातार 10वीं जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई। टीम इंडिया ने पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में अपनी जीत का सिलसिला शुरू किया और खिताब जीतने के रास्ते में आठ जीत दर्ज कीं, जिसके बाद उन्होंने मौजूदा 2026 संस्करण में दो और मैच जीते। इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका (2024 में 8), ऑस्ट्रेलिया (2022-2024 में 8), इंग्लैंड (2010-12 में 7) और भारत (2012-2014 में 7) शामिल हैं।

इसके अलावा, नामीबिया को 93 रनों से हराने के बाद, टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप में रनों के अंतर से अपनी सबसे बड़ी जीत भी दर्ज की। इस विशिष्ट सूची में निम्नलिखित उपलब्धियां शामिल हैं: 2012 में इंग्लैंड पर 90 रनों की जीत, 2014 में ऑस्ट्रेलिया पर 73 रनों की जीत, 2022 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 71 रनों की जीत और 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ 68 रनों की जीत।

बेल्जियम के आगे पस्त हुई टीम इंडिया, राउरकेला में 1-3 से मिली करारी हार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राउरकेला की बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में बुधवार की शाम भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए उम्मीदों भरी शुरूआत वैसी नहीं रही, जैसी घरेलू दर्शक चाहते थे। नई एफआईएच प्रो लीग सीजन की शुरूआत भारत ने बेल्जियम के खिलाफ मुकाबले से की, लेकिन टीम को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

बता दें कि फ्लडलाइट्स में खेले गए इस मुकाबले में स्टेडियम लगभग खचाखच भरा रहा, हालांकि खेल की शुरूआती लय बेल्जियम के पक्ष में दिखी। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने संभलकर खेला और ज्यादा मौके नहीं बने। मौजूद जानकारी के अनुसार, दूसरे क्वार्टर में भारत की एक चूक भारी पड़ गई, जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गलत पास का फायदा उठाते हुए 23वें मिनट में नेल्सन ओनाना ने शानदार फिनिश कर बेल्जियम को बढ़त दिला दी।

भारत ने हालांकि जल्दी वापसी की कोशिश की। पांच मिनट बाद शिलानंद लाकड़ा ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल कराया और रिबाउंड पर गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। गौरतलब है कि शिलानंद लाकड़ा पूरे मैच में भारतीय टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी नजर आए और उनकी ऊर्जा व वर्क रेट लगातार दिखाई दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को मौके मिले, लेकिन कोई भी उन्हें गोल में नहीं बदल सका।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में महा-उलटफेर!

जिम्बाब्वे ने कंगारुओं को चटाई धूल, ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से रौंदा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में अब पहले से कहीं ज्यादा उलटफेर देखने को मिल रहे हैं। जिम्बाब्वे ने सामूहिक शानदार प्रदर्शन के दम पर मौजूदा टी20 विश्व कप का पहला बड़ा उलटफेर करते हुए चोटों से जूझ रही पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को आज 23 रनों से हरा दिया। यह दूसरी बार है जब अफ्रीकी देश ने इस प्रारूप में दिग्गज टीम को हराया है। इससे पहले उन्होंने 2007 के टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को मात दी थी। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट की नाबाद 64 रनों की पारी और अन्य शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत जिम्बाब्वे ने 169/2 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

टी20 विश्व कप 2026 में यह बड़ा और पहला उलटफेर है। 2024 के संस्करण में अमेरिका ने पाकिस्तान को चौंका दिया, वहीं 2022 में नामीबिया ने श्रीलंका को चौंका दिया और आयरलैंड ने इंग्लैंड पर एक यादगार जीत दर्ज की थी। चौंकाने वाली घटनाओं की इस कड़ी में इटली ने कल रात नेपाल को हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। और आज जिम्बाब्वे ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराकर एक असंभव कारनामा कर दिखाया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने दो विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। शुरूआत में इस बात पर बहस छिड़ गई कि क्या जिम्बाब्वे ने सही रणनीति अपनाई है। उन्होंने सतर्क शुरूआत की और सिकंदर रजा के आने के बाद ही अपनी गति बढ़ाई, जिन्होंने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 25 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 56 गेंदों में 64 रन बनाकर पारी को संभाला और शीर्ष क्रम में बहुत जरूरी स्थिरता प्रदान की।

हालांकि पारी के बीच में उनकी धीमी बल्लेबाजी की आलोचना हुई, खासकर ऐसे समय में जब टी20 क्रिकेट में 115 से कम स्ट्राइक रेट को अक्सर गलत माना जाता है, लेकिन पिच की प्रकृति ने कुछ और ही कहानी बयां की। यह बल्लेबाजों के अनुकूल पिच नहीं थी, और जैसे-जैसे दूसरी पारी आगे बढ़ी, जिम्बाब्वे का 169 रन का स्कोर एक मजबूत लक्ष्य लगने लगा। ऑस्ट्रेलिया से उम्मीद की जा रही थी कि वे लक्ष्य का पीछा कर लेंगे। कप्तान मिशेल मार्श समेत प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बीच जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 29 रन पर 4 विकेट गंवाने पर मजबूर कर दिया।

छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए मैथ्यू रेनशॉ ने 44 गेंदों में 65 रनों की जुझारू पारी खेलकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंततः ऑस्ट्रेलिया 23 रनों से हार गया। गेंदबाजी में ब्लेसिंग मुजरबानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार महत्वपूर्ण विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए जीत की नींव रखी। ब्रैड इवांस ने भी तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को विश्व कप इतिहास की सबसे यादगार जीतों में से एक दिलाई।

मोहम्मद आमिर ने बड़बोलेपन में की सारी हदें पार, अभिषेक शर्मा को लेकर दिया शर्मनाक बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर का मानना है कि अभिषेक शर्मा तकनीकि रूप से सक्षम बल्लेबाज नहीं हैं। यही नहीं आमिर का कहना है कि अभिषेक के असफल होने की संभावना बहुत ही अधिक है। आमिर का ये बयान ऐसे समय में आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में 15 फरवरी को मुकाबला होना है। हालांकि, अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ खेलना सवालों के घेरे में है। अभिषेक नामीबिया के खिलाफ गुरुवार को खेले गए मुकाबले से पहले बीमार पड़ गए थे। अभिषेक की हालत इतनी बिगड़ गई थी कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उन्हें अब छुट्टी मिल गई है। हालांकि, उनका पाकिस्तान के खिलाफ खेलना अब भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। अब आमिर ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को देखते हुए शर्मा को लेकर बड़ा दावा किया है। पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बात करते हुए आमिर ने कहा, "मैंने जितना अभिषेक शर्मा को देखा है, अगर आप मुझसे ईमानदारी से पूछेंगे, तो वो सिर्फ आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक अपनी पूरी ताकत के साथ गेंद को मारते हैं। जिस दिन वे लय में होंगे, तो सबकुछ ठीक रहेगा लेकिन उनके असफल होने की संभावना बहुत ही अधिक होती है। अभिषेक 8 पारियों में से एक पारी में रन बनाते हैं और बाकी में उनका स्कोर 10,15,0 और 20 रहता है। मुझे नहीं लगता है कि उनकी तकनीकि बहुत अच्छी है।" आमिर का मानना है कि अभिषेक को रोकने के लिए सबसे अच्छा होगा कि उनकी शरीर में गेंदबाजी करें। अगर बाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ ये रणनीति बनाई जाएगी, तो वे फेल हो जाएंगे। आमिर का ये भी मानना है कि अभिषेक को वे इंटरनेशनल क्रिकेट में तभी एक सफल बल्लेबाज मानेंगे, जब वे स्विंग गेंदों के खिलाफ रन बनाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

मेक इन इंडिया को बूस्ट! जर्मनी की ईडब्ल्यू ग्रुप पोल्ट्री कारोबार में करेगी 200 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जर्मनी स्थित कृषि कारोबार कंपनी ईडब्ल्यू ग्रुप अपनी नई बनी अनुषंगी कंपनी, लोहमैन लेयर्स इंडिया के जरिये अगले तीन साल में भारत के पॉल्ट्री (मुर्गीपालन) क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'एनिमल जेनेटिक्स' में विश्व की अगुवा कंपनी ईडब्ल्यू ग्रुप ने अपनी अनुषंगी कंपनी, इंटरनेशनल लेयर डिस्ट्रिब्यूशन (आईएलडी) के जरिये जेके ब्रीडर्स प्राइवेट लिमिटेड को अघोषित रकम में खरीदकर भारतीय इकाई शुरू की है। आईएलडी में एशिया और ऑस्ट्रेलिया के प्रबंध निदेशक एंटोनियो पैरागुआसु ने बयान में कहा, ''भारत दुनिया के सबसे जरूरी और सबसे तेजी से बढ़ते 'पॉल्ट्री' बाजारों में से एक है। लोहमैन लेयर्स इंडिया की स्थापना भारतीय किसानों के प्रति हमारे लंबे समय के प्रतिबद्धता को और पक्का करती है।'' लोहमैन लेयर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक, सुरेंद्र के जांगिड़ ने कहा कि कंपनी 15 साल से ज्यादा समय से जेके ब्रीडर्स के साथ फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिये भारत में काम कर रही है और अब सीधे बाजार में काम करेगी। ''हम अगले तीन साल में 200 करोड़ रुपये का निवेश करने का योजना बना रहे हैं।

धमाकों से दहला ईरान, अब नहीं बचेगा इजराइल, खामनेई की खुली धमकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईरान में सेना के काफिले पर हमला हुआ है और इससे काफिले की दो गाड़ियों को बड़ा नुकसान हुआ। यह खबर आई है दक्षिण पूर्वी इलाके के ईरान के हिस्से से। महमूदाबाद इलाका बताया जा रहा है। यहां पर सेना का एक काफिला जा रहा था जिसमें ब्लास्ट हुआ, धमाका हुआ और सेना के दो वाहन जो हैं वो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। अगर पिछले 10 दिनों की बात करें तो ये 20वां धमाका है जिसमें ईरान को निशाना बनाने की कोशिश की गई है। और जिस तरह से खबरें आ रही हैं यह कहा जा रहा है कि इन धमाकों के पीछे मोसाद का हाथ है और मोसाद ने यह धमाके करवाए हैं। लेकिन इसके साथ ही दो-तीन बड़े डेवलपमेंट है। यह धमाके होने के बाद एक बड़ी बैठक हुई है ईरान में। ईरान की सेना के जितने बड़े अधिकारी थे, वह इस बैठक में शामिल हुए। देखिए अब से पहले जितने भी धमाके हुए हैं ईरान में वो धमाके ऐसे हुए हैं जिसमें सीधे तौर पर सेना को निशाना नहीं बनाया गया। वो एक मॉल में धमाका होता है। बंदर अंबास में एक बिल्डिंग में धमाका हुआ। इस तरह के अलग-अलग ठिकानों पर धमाकों की खबरें आई। लेकिन देखिए यह पहला मौका है। अगर हम इस बार की बात करें जिसमें ईरान की सेना के काफिले को सीधा निशाना बनाया गया है। सीधा हमला किया गया।

उसके बाद बताया जाता है कि एक बड़ी बैठक हुई है ईरान में सोर्सेस से जो खबरें आ रही हैं ईरान की सेना की अधिकारियों की एक बड़ी बैठक हुई जिसमें यह फैसला किया गया है कि अब ईरान जवाब देगा जो अभी तक धमाके हो रहे थे अब उसका ईरान की सेना ने जवाब देने का मन बना लिया है। हो सकता है कि अगले चंद घंटों के अंदर या अगले कुछ दिनों के अंदर इसका बड़ा बदला लिया जाएगा। बातचीत में ईरान को नहीं झुका पाए। तो अब ऐसी स्थिति में यह एक कोवर्ट ऑपरेशन चल रहा है और आतंकी गतिविधियां करके जो है वह ईरान को डराने की कोशिश हो रही है।

वणक्कम पूर्वोत्तर: असम में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने और घुसपैठियों को बांग्लादेश भगाने का अभियान जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। असम में दो समानांतर कार्रवाइयों ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की नीतियों को एक बार फिर देशव्यापी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एक तरफ वन भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान, दूसरी तरफ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ पर त्वरित कार्रवाई। यह दोनों कार्रवाई दशार्ती हैं कि राज्य सरकार घुसपैठ और अतिक्रमण के खिलाफ अपने तेवर सख्त रखे हुए है। इस बारे में खुद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया है कि श्रीभूमि जिले में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर 880 हेक्टेयर वन भूमि को कब्जे से मुक्त कराया गया है। इस जमीन को अब दोबारा वन और हरियाली के लिए तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसे मिशन पूरा होने जैसा बताते हुए साफ कहा कि जहां भी वन या सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा मिलेगा, सरकार खुद आगे बढ़कर कार्रवाई करेगी। हम आपको बता दें कि श्रीभूमि में यह अभियान उस समय हुआ जब पास के हाइलाकांडी जिले में भी इसी तरह की कार्रवाई हाल ही में की गई थी। वन विभाग ने पाथरकांडी क्षेत्र के आरक्षित वन इलाके में रह रहे करीब 1000 परिवारों को नोटिस जारी कर जमीन खाली करने का निर्देश दिया था। इशारपार, माधबपुर, बालिया, मधुरबंद, चागलमोया, मगुरा और जोगीसोरा जैसे गांवों में नोटिस बांटे गए। समय सीमा मिलते ही कई परिवारों ने अपने घर खुद तोड़ने शुरू किए और दूसरी जगह जाने की तैयारी की।

हालांकि अनेक परिवारों का कहना है कि वह दशकों से वहां रह रहे थे और पहले कभी प्रशासन ने आपत्ति नहीं जताई। उनका यह भी कहना है कि उनके पास न तो दूसरी जमीन है और न ही पक्का पुनर्वास इंतजाम। प्रभावित लोगों ने सरकार से अपील की है कि मानवीय पहलू को भी ध्यान में रखा जाए। इसके साथ ही असम सरकार ने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर भी सख्त रुख दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि तड़के अभियान चलाकर 16 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें सीमा पार वापस भेजा गया। इससे करीब एक सप्ताह पहले 15 और लोगों को वापस भेजा गया था। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि असम के लिए इंतजार करना विकल्प नहीं, निर्णायक कदम ही रास्ता है। उनके अनुसार राज्य ने जीरो टोलरेंस नीति अपनाई है और मातृभूमि की रक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई जरूरी है। असम में सीमा इलाकों में निगरानी बढ़ाई गई है और सुरक्षा एजेंसियां तथा पुलिस मिलकर काम कर रही हैं।

मुख्तार अंसारी की मौत के बाद यूपी में गैंग वॉर, बाराबंकी में करीबी शूटर बॉबी को गोलियों से भूना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्तार अंसारी के कुख्यात शूटर शोएब उर्फ बॉबी की उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में निर्मम हत्या कर दी गई। हमलावरों ने एक व्यस्त इलाके में उस पर करीब 10 गोलियां चलाईं। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और दिवंगत माफिया डॉन के नेटवर्क से जुड़े गिरोह युद्ध की आशंकाएं फिर से बढ़ गई हैं। 13 फरवरी को दिनदहाड़े हुए एक दुस्साहसी हमले में, बाइक सवार हमलावरों ने लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर असैनी मोड़ के पास शोएब पर घात लगाकर हमला किया। शोएब नीली बलेनो कार चला रहे थे और लखनऊ से लौट रहे थे, तभी हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया और करीब से गोलियों की बौछार कर दी।

उन्हें ड्राइवर की सीट पर मृत पाया गया, उनका शरीर गोलियों से छलनी था, जिससे भीड़भाड़ वाले इलाके में दहशत फैल गई क्योंकि हत्यारे मौके से फरार हो गए। बाराबंकी के कोतवाली क्षेत्र का निवासी शोएब एक कुख्यात अपराधी था, जिसके खिलाफ आरके तिवारी से जुड़े हाई-प्रोफाइल लखनऊ जेलर हत्याकांड समेत 5-6 मामले दर्ज थे। हाल ही में बाराबंकी में वकालत कर रहे शोएब को मुख्तार अंसारी गिरोह का भरोसेमंद साथी और कुशल निशानेबाज माना जाता था।

रिटायर्ड फौजियों के लिए किताब लिखने पर नए नियम

नरवणे विवाद पर सरकार ने अपना रुख किया साफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरणों को लेकर चल रहे विवाद के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सेवानिवृत्त सेना अधिकारियों के लिए पुस्तक लेखन संबंधी नए दिशानिर्देश लाने के किसी प्रस्ताव की उन्हें जानकारी नहीं है। एएनआई से बात करते हुए सिंह ने कहा कि ऐसे मामलों के लिए पहले से ही नियम और कानून मौजूद हैं, जिनमें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्य मुद्दा दिशानिर्देशों का अभाव नहीं है, बल्कि यह है कि क्या किसी मौजूदा नियम का उल्लंघन किया गया है। राजेश कुमार सिंह ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मुझे इस विशेष मुद्दे की जानकारी नहीं है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं कि क्या नए दिशानिर्देशों पर विचार किया जा रहा है। मौजूदा दिशानिर्देश हैं और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम लागू होता है। इस मामले में मुद्दा यह नहीं है कि दिशानिर्देश मौजूद नहीं हैं;

मुद्दा यह है कि क्या किसी ने उनका उल्लंघन करने की कोशिश की है। सार्वजनिक सूत्रों से मुझे पता चला है कि एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। हालांकि, मुझे किसी नए दिशानिर्देश की जानकारी नहीं है, और वैसे भी, संवेदनशील मामलों में मौजूदा दिशानिर्देश और मौजूदा कानून, विशेष रूप से ओएसए, लागू होते हैं। यह घटना तब सामने आई जब राहुल गांधी ने लोकसभा में जनरल नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' का हवाला देने की कोशिश की, जिससे बजट सत्र के दौरान चीन के साथ 2020 के गतिरोध का मुद्दा चर्चा में आ गया और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। दिल्ली पुलिस ने 9 फरवरी को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और समाचार मंचों पर मिली जानकारी का संज्ञान लिया, जिसमें दावा किया गया था कि 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' पुस्तक की एक प्री-प्रिंट प्रति प्रसारित की जा रही है।

स्पेशल सेल ने "अभी तक स्वीकृत न हुई पुस्तक के कथित रिसाव/उल्लंघन" के संबंध में मामला दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के कथित रिसाव के संबंध में पेंगुइन इंडिया के अधिकारियों से लगातार दो दिनों तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, दोनों दिन पूछताछ कई घंटों तक चली, जिसमें जांचकताओं ने पांडुलिपि और उसकी डिजिटल फाइलों के प्रबंधन और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया।

राहुल गांधी पर सरकार का 'प्लान बी', अब निशिकांत दुबे के प्रस्ताव से कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण और उनके बजट भाषण के दौरान की गई टिप्पणियों को संसद में लाने के मुद्दे पर लाए गए प्रस्ताव को वापस लेने का फैसला किया है। मीडिया से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ एक सारगर्भित प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद केंद्र ने प्रस्ताव वापस ले लिया।

रिजिजू ने आगे कहा कि सारगर्भित प्रस्ताव स्वीकार हो जाने के बाद सरकार अध्यक्ष से परामर्श करके यह तय करेगी कि मामले को विशेषाधिकार समिति, आचार समिति को भेजा जाए या सीधे सदन में चर्चा के लिए लाया जाए। रिजिजू ने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव लाने का फैसला किया था।

राहुल गांधी का नाम लिए बिना बोलीं सीतारमण

अर्थव्यवस्था नहीं मरी, देश की जनता का मजाक न बनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि व्यक्तिगत आयकर संग्रह बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि देश में मध्यम वर्ग को दबाया जा रहा है। उन्होंने 2026-27 के केंद्रीय बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश में मध्यम वर्ग को दबाने का कोई सबूत नहीं है, बल्कि उनके आगे बढ़ने के सबूत जरूर हैं। सीतारमण ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले उनके बयान को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि वह देश की जनता का मजाक उड़ा रहे हैं, जो वास्तव में भारत के वृद्धि में अपना योगदान दे रही है।

विपक्ष ने यह आरोप लगाया कि मध्यम वर्ग, अमीर और गरीब वर्गों के बीच फंसा हुआ है। इस पर सीतारमण ने कहा कि ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि व्यक्तिगत आयकर का संग्रह कॉरपोरेट कर से अधिक है। उन्होंने कहा, ''...वास्तव में, पिछले दस साल में किए गए आर्थिक सुधारों के कारण ऐतिहासिक

रूप से मध्यम वर्ग का विस्तार हुआ है। इसके पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। व्यक्तिगत आयकर का अधिक संग्रह का मतलब यह नहीं है कि मध्यम वर्ग को दबाया जा रहा है।'' सीतारमण ने कहा कि आज कर योग्य आय वाले लोगों की संख्या अधिक है।

अब संगठित क्षेत्र में अधिक आय दिखाई देती है। उन्होंने कहा, ''अर्थव्यवस्था अब केवल कुछ गिने-चुने वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें भागीदारी बढ़ी है। मध्यम वर्ग का दायरा बढ़ रहा है। 2013-14 और 2024-25 के बीच, करदाताओं की संख्या, यानी रिटर्न दाखिल करने वाले या टीडीएस कटवाने वालों की संख्या, 5.26 करोड़ से बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है।'' पिछले 11 वर्षों में, करदाताओं की संख्या दोगुनी हो गई है।

यह संचयी रूप से सालाना 7.9 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त मंत्री ने कहा, ''यह इस देश में मध्यम वर्ग का सबसे बड़ा संरचनात्मक विस्तार है। इसलिए, अगर कर का दायरा बढ़ रहा है तो दबाव नहीं हो सकता...। लोग कर देने के लिए आगे आ रहे हैं और वे इसलिए आगे नहीं आ रहे हैं क्योंकि हम दरें बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस विस्तार के बावजूद, आयकर सीमा सभी के लिए 12 लाख रुपये और वेतनभोगी वर्ग के लिए 12.75 लाख रुपये तक बढ़ायी गई है।

सीतारमण ने कहा, ''अगर 12.75 लाख रुपये कमाने वाले वेतनभोगी वर्ग को कर नहीं देना पड़ता, तो फिर दबाने वाली बात कहां है? दूसरा, मानक कटौती भी बढ़ाई गई है। नई कर व्यवस्था ने कर रिटर्न भरने और जांच-पड़ताल को सरल बना दिया है।'' इसके अलावा, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने से भी घरेलू खर्च कम हुए हैं। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से वस्तुओं के दाम कम होने के कारण लोगों के मासिक खर्च कम हो रहे हैं। सीतारमण ने कहा, ''महंगाई भी ऐतिहासिक रूप से कम है।

शेख हसीना की रैली में बम फेंकने वाला अब बनेगा बांग्लादेश का प्रधानमंत्री क्या भारत संग रिश्ते को 'रिसेट' करेंगे रहमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कभी बांग्लादेश की राजनीति में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोपों का सामना कर चुके तारिक रहमान अब देश के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। 2004 के ग्रेनेड हमले को लेकर उन पर साजिश रचने का आरोप लगा था। हालांकि बाद में उन्हें अदालत से राहत मिल गई और अब सालों के निर्वासन के बाद वही तारिक रहमान सत्ता के सबसे ऊंचे पद तक पहुंचने की दहलीज पर खड़े हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक तारिक रहमान पर दर्जनों अपराधिक और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों समेत लगभग 84 केस थे। अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद कानूनी माहौल में काफी बदलाव देखा गया और 2026 की शुरूआत तक ज्यादातर बड़े मामलों में उन्हें बरी कर दिया गया। इसमें 2004 में शेख हसीना की रैली पर हुए ग्रेनेड हमले का मामला भी शामिल है। जिसमें उन्हें 2018 में उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। देश के इतिहास में यह पहली बार है, जब शेख हसीना की पार्टी चुनाव में नहीं है। यह अवामी लीग का अपना फैसला नहीं था, बल्कि उस पर थोपा गया। जो पार्टी बांग्लादेश की मुक्ति से लेकर अभी तक, उसके हर राजनीतिक-सामाजिक बदलाव की साक्षी रही है, उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया से दूर करना सही तो नहीं कहा जा सकता। बीएनपी या जमात सत्ता में जो भी आए, उसके ऊपर सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी देश की जनता की ख्वाहिशों को पूरा करने की। अंतरिम सरकार आम लोगों में भरोसा जगाने में असफल रही है। चुनाव में बीएनपी की जीत तय मानी जा रही है।

अगर ऐसा होता है तो उसके सामने जनता की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती होगी। BNP या जमात सत्ता में जो भी तरह के आरोप लगते हैं, तो तमाम तरह की शंकाएं सिर उठाएंगी।

चुनावी 'रेवड़ी' या महिला सम्मान, सीएम स्टालिन ने तमिलनाडु की करोड़ों महिलाओं को दिए 5000 रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य की कलाइनगर महिला अधिकार योजना के तहत महिला लाभार्थियों के खातों में अग्रिम रूप से 3,000 रुपये जमा कर दिए गए हैं। स्टालिन ने इस साल के अंत में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले घोषणा की कि फरवरी, मार्च और अप्रैल महीनों के लिए 3,000 रुपये (प्रति माह 1,000 रुपये) की राशि आवंटित की गई है, साथ ही 2,000 रुपये की विशेष ग्रीष्मकालीन सहायता राशि भी उनके खातों में जमा कर दी गई है। एक्स पर एक पूर्व-रिकॉर्ड किए गए वीडियो क्लिप के साथ एक पोस्ट में, स्टालिन ने घोषणा की कि तमिलनाडु भर में 1.31 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में कुल 5,000 रुपये जमा किए गए हैं। स्टालिन ने विस्तार से बताते हुए कहा कि फरवरी, मार्च और अप्रैल महीनों के लिए अग्रिम भुगतान के रूप में 1,000 रुपये दिए गए थे, जबकि अतिरिक्त 2,000 रुपये बोनस के रूप में दिए गए थे। स्टालिन ने संकेत दिया कि उनके 'द्रविड़ मॉडल 2.0' के तहत, यदि डीएमके फिर से सत्ता में आती है तो वर्तमान 1,000 रुपये की मासिक सहायता राशि को दोगुना करके 2,000 रुपये कर दिया जाएगा। तमिलनाडु विधानसभा के 234 सदस्यों के लिए 2026 के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे। विधानसभा का कार्यकाल 10 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। 2021 में हुए पिछले राज्य चुनावों में, डीएमके के नेतृत्व वाली एसपीए ने 133 सीटें जीती थीं, जबकि एनडीए की सदस्य एआईएडीएमके ने 66 सीटें जीती थीं। स्टालिन ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी, डीएमके, महिलाओं के समर्थन से चुनाव जीतेगी। उन्होंने बताया कि 'कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना सितंबर 2023 में शुरू की गई थी और 1.13 करोड़ महिलाओं को 1,000 रुपये की राशि वितरित की गई थी और तब से इस कार्यक्रम का विस्तार करके इसे राज्य भर में 1.31 करोड़ महिलाओं तक पहुंचा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह महज अनुदान नहीं, बल्कि समाज में इन महिलाओं के योगदान की मान्यता है। राज्य सरकार ने कुछ महीने पहले घोषणा की थी कि यह योजना, जो 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले डीएमके के घोषणापत्र का एक प्रमुख हिस्सा थी।

ये है दुनिया का पहला इंजीनियरिंग कॉलेज, 300 साल से ज्यादा पुराना है इतिहास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जब भी हम इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के लिए विश्व की सबसे अच्छी इंजीनियरिंग कॉलेज की लिस्ट देखते हैं, तब हमारे दिमाग में आईआईटी, स्टैनफोर्ड और एमआईटी जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी का नाम सबसे पहले आता है। ये यूनिवर्सिटी न केवल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बेहतरीन मानी जाती है, बल्कि वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भी इन्हें अच्छी रैंक मिली हुई है। लेकिन क्या आपके जहन में कभी यह सवाल आया है कि आखिर दुनिया की सबसे पहली इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी कौन-सी थी और यहां किन विषयों की पढ़ाई करवाई जाती थी? अगर नहीं, तो आज इस लेख के जरिये हम आपको दुनिया की पहली इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी के साथ-साथ पांच सबसे पुरानी इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी के बारे में भी बताएंगे। साथ ही आपको यह भी बताएंगे कि इस पुरानी यूनिवर्सिटी में 300 साल पहले किस विषय की पढ़ाई करवाई जाती थी और अब इस यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए कौन-कौन से विषयों को शामिल किया गया है।

केंद्र सरकार ने राहुल गांधी के आरोपों को नकारा

कहा- 'किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच हुए हालिया अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर देश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा इस समझौते पर सवाल उठाए जाने के बाद, केंद्र सरकार के दो वरिष्ठ मंत्रियों- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान- ने मोर्चा संभाल लिया है। दोनों मंत्रियों ने राहुल गांधी पर "झूठ फैलाने" और किसानों को "गुमराह" करने का कड़ा आरोप लगाया है। दोनों मंत्रियों ने दावा किया कि इस समझौते के तहत किसानों के हितों की ''पूरी तरह से रक्षा'' की गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो संदेशों में गांधी को ऐसे ''आदतन झूठे'' व्यक्ति करार दिया जो नहीं चाहते कि किसान सशक्त हों। मंत्रियों ने ये टिप्पणियां गांधी द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए उस वीडियो संदेश के बाद कीं जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ''किसान-विरोधी'' होने और भारत एवं अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के जरिये देश को ''बेचने'' का आरोप लगाया है।

गोयल ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''आज जारी वीडियो में उन्होंने झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और निराधार आरोप लगाए हैं। वह अपने फर्जी विमर्श के जरिये हमारे किसानों को गुमराह कर रहे हैं और हमारे अन्नदाता को उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हमारी मातृभूमि की कभी परवाह नहीं की और हम उनसे भारत के मजबूत एवं समृद्ध भविष्य के लिए काम करने की कभी उम्मीद भी नहीं कर सकते।''

गोयल ने कहा कि गेहूं, चावल, मोटा अनाज, सोयाबीन, मक्का, आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) खाद्य उत्पाद, मसाले और आलू सहित प्रमुख फसलों को ''पूरी तरह संरक्षित'' किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमने सेब सहित प्रमुख फलों का उत्पादन करने वाले किसानों के हितों को भी पूरी तरह संरक्षित किया है। भारत के दरवाजे दुग्ध उत्पादों या पोल्ट्री के लिए नहीं खोले गए हैं।''

गोयल ने कहा कि सच्चाई यह है कि व्यापार समझौते के परिणामस्वरूप बासमती चावल, फलों, मसालों, चाय और समुद्री उत्पादों सहित कई उत्पादों को नये बाजार मिलेंगे और इससे भारत के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों की आय बढ़ेगी।

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में भाग लेने को लेकर उतावला हुआ पाकिस्तान

मगर मोदी ने चली सधी हुई चाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर बनने जा रहे बोर्ड ऑफ पीस को लेकर नई कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान ने ऐलान किया है कि उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अगले सप्ताह वाशिंगटन में होने वाली इस मंच की पहली बैठक में शामिल होंगे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि विदेश मंत्री इशाक दर भी उनके साथ रहेंगे। दूसरी ओर भारत ने वही निमंत्रण मिलने की बात स्वीकार करते हुए साफ किया है कि वह अभी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है और सोच समझकर ही कोई कदम उठाएगा।

हम आपको बता दें कि यह मंच शुरूआत में गाजा के अस्थायी शासन और पुनर्निर्माण की देखरेख के लिए सोचा गया था, पर बाद में ट्रंप ने इसे वैश्विक संघर्षों से निपटने वाला व्यापक मंच बताना शुरू कर दिया। यही बदलाव कई देशों और विशेषज्ञों की चिंता का कारण है। उन्हें डर है कि ऐसा कोई ढांचा संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को कमजोर कर सकता है। अभी तक कोई भी प्रमुख जी-7 देश औपचारिक रूप से इससे नहीं जुड़ा है, लेकिन पाकिस्तान उन शुरूआती देशों में रहा जिसने जल्दबाजी में हामी भर दी।

पाकिस्तान का दावा है कि वह यह कदम भले मन से उठा रहा है और वह आठ इस्लामी अरब देशों की सामूहिक आवाज का हिस्सा है। वह फिलिस्तीन के लिए 1967 से पहले की सीमा के आधार पर अलग राज्य और अल कुद्स को राजधानी बनाने की बात दोहरा रहा है। सुनने में यह नैतिक रुख लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस मंच से सच में ऐसा कोई समाधान निकलेगा या यह केवल बड़ी शक्तियों की छवि चमकाने का जरिया बनेगा। इधर नई दिल्ली का रुख कहीं अधिक परिपक्व और संतुलित दिखता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा है कि भारत पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और संवाद के हर प्रयास का समर्थन करता है, पर किसी भी पहल में शामिल होने से पहले उसके ढांचे, लक्ष्य और प्रभाव का ठंडे दिमाग से आकलन जरूरी है। यही जिम्मेदार शक्ति की पहचान है। हर मंच पर पहुंच जाना कूटनीति नहीं, कई बार संयम ही असली कूटनीति होता है।

पाकिस्तान की आतुरता का एक कारण उसकी वैश्विक छवि भी है। वह लंबे समय से खुद को शांति समर्थक देश दिखाने की कोशिश करता रहा है, जबकि जमीन पर उसका इतिहास उलटा रहा है। ऐसे में उसे हर वह मंच लुभाता है जहां वह अपने लिए जगह और तस्वीर दोनों हासिल कर सके। दावोस में फोटो अवसर मिल चुका है, अब वाशिंगटन में उपस्थिति से वह अपने लिए नई वैधता गढ़ना चाहता है। यह अलग बात है कि विश्व की बड़ी ताकतें अभी दूरी बनाए हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम की एक और परत भी है। ट्रंप बार बार यह दावा दोहराते रहे हैं कि पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव को उन्होंने रुकवाया। भारत इस दावे को साफ नकार चुका है और कह चुका है कि अपने सुरक्षा हितों पर वह किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करता।

ऐसे में बोर्ड ऑफ पीस जैसा मंच कहीं न कहीं कथानक की लड़ाई का भी मैदान बन सकता है। कौन शांति दूत दिखेगा और किसकी कहानी चलेगी, यह भी दांव पर है। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को देखते हुए पाकिस्तान को डर है कि कहीं नई दिल्ली और वाशिंगटन के सुधरते रिश्ते उसके लिए मुश्किल न बन जाएं, इसलिए भी शहबाज शरीफ भागे भागे अमेरिका जा रहे हैं।

देखा जाये तो भारत का सतर्क रुख सराहना के योग्य है। विश्व राजनीति में हर चमकती पहल सोना नहीं होती। किसी भी नए मंच में शामिल होना केवल सद्भाव का मामला नहीं, बल्कि संप्रभुता, रणनीतिक स्वतंत्रता और दीर्घकालिक हितों से जुड़ा फैसला होता है। यदि कोई ढांचा संयुक्त राष्ट्र जैसी स्वीकृत संस्था को किनारे कर समानांतर व्यवस्था खड़ी करता है, तो उसके दूरगामी असर होंगे। भारत का ठहरकर देखना बताता है कि वह भावनाओं से नहीं, हितों से संचालित शक्ति है। पाकिस्तान के लिए यह मंच मानो बेचैनी का इलाज है। उसे हर उस दरवाजे पर दस्तक देनी है जहां से उसे मान्यता, मदद या महत्व मिल सके। लेकिन केवल मंचों पर मौजूदगी से विश्वसनीयता नहीं बनती; वह नीतियों और आचरण से बनती है।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794